राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 192 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | रायपुर, शनिवार 20 सितंबर 2025 | www.samaydarshan.in

डूसू चुनाव संपन्न- उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई की जीत

अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पद पर एबीवीपी का कब्जा

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ 2025 के चुनावों के परिणाम जारी हो गए हैं। एबीवीपी ने अध्यक्ष पद समेत तीन पदों पर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस समर्थित एनएसयूआई केवल एक पद तक सिमट गई। एबीवीपी के आर्यन मान ने अध्यक्ष पद के लिए एनएसयूआई की जोसलिन नंदिता चौधरी को 16,196 वोटों के अंतर से हराया। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के राहुल झांसला ने एबीवीपी के गोविंद तंवर को 29,339 वोट बनाम 20,547 वोट के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। एबीवीपी के कुणाल चौधरी ने 23,779 वोट हासिल कर एनएसयूआई के कबीर को हराकर सचिव पद जीता। एबीवीपी की दीपिका झा ने लवकुश भड़ाना को हराकर केंद्रीय पैनल में संयुक्त सचिव पद जीता। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) दोनों को संयुक्त रूप से कोई सफलता नहीं मिली। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पार्टी ने इस अजीब चुनाव में अच्छी लड़ाई लड़ी - न केवल एबीवीपी के खिलाफ बल्कि डीयू प्रशासन, दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, आरएसएस-भाजपा और दिल्ली पुलिस की संयुक्त ताकत के खिलाफ। फिर भी डीयू के हजारों छात्र हमारे साथ मजबूती से खड़े रहे और हमारे उम्मीदवारों ने अच्छा प्रदर्शन किया। एनएसयूआई पैनल से नवनिर्वाचित डूसू उपाध्यक्ष राहुल झांसला

और विजयी हुए सभी अन्य पदाधिकारियों को शुभकामनाएं। हार हो या जीत, एनएसयूआई हमेशा आम छात्रों, उनके मुद्दों और डीयू को बचाने के लिए लड़ती रहेगी। हम और मजबूत होते जाएंगे। 2024 के डूसू चुनावों में, एनएसयूआई ने सात साल के अंतराल के बाद अध्यक्ष पद और संयुक्त सचिव पद पर जीत हासिल की थी। एबीवीपी ने उपाध्यक्ष पद और सचिव पद पर कब्जा जमाकर छात्र संघ में अपनी उपस्थिति बरकरार रखी। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन को संयुक्त रूप से कोई सीट नहीं मिली। छात्र संघ के नए अध्यक्ष मान ने कहा कि उन्हें अपनी जीत पर 100 प्रतिशत भरोसा था। उन्होंने कहा कि मुझे सभी कॉलेजों के छात्रों का समर्थन प्राप्त था। मेरी पहली प्राथमिकता डीयू छात्रों के लिए मेट्रो रियायती पास की हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करना होगा। इसके अलावा, सभी एथलीटों के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण उपकरण उपलब्ध कराना भी मेरी प्राथमिकता होगी। मान ने अपने समर्थकों से विजय उत्सव के दौरान शांतिपूर्ण रहने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, हमें किसी भी प्रकार का विजय जुलूस निकालने की अनुमति नहीं है।

अमित शाह ने कहा कि ये जीत राष्ट्र प्रथम की विचारधारा में युवाओं के विश्वास का प्रतिबिंब

देश के गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को डूसू चुनाव में जीते सभी एबीवीपी के उम्मीदवारों को बधाई दी। शाह ने कहा कि ये जीत राष्ट्र प्रथम की विचारधारा में युवाओं के विश्वास का प्रतिबिंब है। एबीवीपी ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2025 में निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव जैसे तीन प्रमुख पदों पर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस समर्थित एनएसयूआई ने उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। आर्यन मान हरियाणा के बहादुरगढ़ से हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज से स्नातक किया है। वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय से लाइब्रेरी साइंस के छात्र हैं।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्गों से व्यवहार पर फिर विवादों में केंद्रीय मंत्री गोपी

थ्रिसूर। पहले एक बुजुर्ग को मदद से इनकार करने पर आलोचना झेल चुके केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी एक बार फिर नए विवाद में घिर गए हैं। इस बार वह एक बुजुर्ग महिला को दिए अपने जवाब को लेकर चर्चा में हैं। महिला एक बैंक घोटाले में डूबी अपनी रकम वापस दिलाने के लिए मंत्री से गुहार लगा रही थी, जिस पर सुरेश गोपी ने उन्हें मुख्यमंत्री के पास जाने की सलाह दे डाली और सरेआम ज्यादा बात मत करो कहकर झिड़क दिया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना केरल के थ्रिसूर जिले के इरिंजालाकुडा की है। एक बुजुर्ग महिला 2023 में हुए एक सहकारी बैंक घोटाले में फंसी अपनी जमा राशि वापस पाने के लिए केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी से मदद मांगने पहुंची थी। इस पर मंत्री गोपी ने महिला से कहा, चेची (दीदी), ज्यादा बात मत करो। अपने मुख्यमंत्री को बोलो कि ईडी ने वह रकम बैंक को लौटा दी है और जाकर ले आओ।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाकिस्तान

श्रीनगर। ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाई पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने कश्मीर में मरनासन्न आतंकवाद को जिंदा करने के लिए बड़े पैमाने पर घुसपैठ का षडयंत्र रचा है। इसके तहत नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ लगे इलाकों में और जम्मू-कश्मीर व पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट कई नए लॉन्चिंग पैड सक्रिय किए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि करीब एक दर्जन नए लॉन्चिंग पैड पिछले एक माह के दौरान एलओसी के पार सक्रिय हुए हैं। ये प्रमुख जगहें राजौरी-पुंछ, बारामुला-कुपवाड़ा और गुरेज के पास बताई जा रही हैं। साथ ही जम्मू के सांबा जिले के अंतरराष्ट्रीय सीमा पार लूनी और बड़ा बाबा मसरुर क्षेत्र में भी दो नए लॉन्चिंग पैड शुरू होने की सूचना है। प्रत्येक लॉन्चिंग पैड पर लगभग दो-तीन आतंकियों की मौजूदगी बताई जा रही है, कुल मिलाकर करीब 40 आतंकी सक्रिय बताए जा रहे हैं।

गोरेगांव के स्कूल में बच्ची से कथित यौन शोषण, महिला गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव में एक प्राइवेट स्कूल में 4 साल की एक बच्ची के साथ कथित यौन शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। गोरेगांव पुलिस ने स्कूल की 40 वर्षीय महिला सहायक स्टाफ सदस्य को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 15 सितंबर की है, जब बच्ची ने घर लौटने पर कपड़े बदलते समय निजी अंगों में दर्द की शिकायत की। मां को कुछ गड़बड़ लगने पर बच्ची को डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां चोट की पुष्टि हुई। पूछताछ पर बच्ची ने बताया कि स्कूल की केयरटेकर ने बाथरूम ले जाते समय उसके साथ अनुचित तरीके से छेड़छाड़ की, जिससे चोट लगी। बच्ची के माता-पिता ने तुरंत स्कूल प्रशासन को सूचना दी ।और फिर गोरेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

सैम ने बयान से बढ़ाया बवाल

पाकिस्तान में मुझे घर जैसा फील होता है-सैम पित्रोदा..

नई दिल्ली। कांग्रेस के विदेश मामलों के प्रमुख सैम पित्रोदा ने अपने उस बयान से नया विवाद खड़ा कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान यात्रा के दौरान उन्हें घर जैसा महसूस हुआ। इस टिप्पणी पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ हुईं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर इस्लामाबाद के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा ने विदेश नीति पर अपनी टिप्पणियों से एक बहस छेड़ दी है। उन्होंने भारत से अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल के साथ मज़बूत संबंधों को

प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। अपने निजी अनुभव साझा करते हुए, पित्रोदा ने कहा कि मैं पाकिस्तान गया हूँ और आपको बता दूँ कि मुझे वहाँ घर जैसा महसूस हुआ। मैं बांग्लादेश गया हूँ, मैं नेपाल गया हूँ और मुझे वहाँ घर जैसा महसूस होता है।

भाजपा प्रवक्ता का तीखा हमला

सैम पित्रोदा के बयान पर रार....भाजपा बोली-26/11 हमले पर भारी पड़ा कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम-भंडारी

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला और आरोप लगाया कि 2008 के मुंबई आतंकी हमले (26/11) के बाद भी कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया। भाजपा ने कहा कि इसकी वजह कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति अनवरत प्रेम था। मामला तब गरमा गया जब कांग्रेस के ओवरसीज विभाग प्रमुख सैम पित्रोदा का बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान में घर जैसा महसूस हुआ। सैम पित्रोदा का यह बयान विपक्ष के लिए हथियार बन गया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे राहुल गांधी की सोच से जोड़ते हुए कहा कि राहुल गांधी के सबसे करीबी और कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा पाकिस्तान को अपना घर बताते हैं। यही वजह है कि यूपीए सरकार ने 26/11 जैसे हमले के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा कदम नहीं उठाया। प्रदीप भंडारी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि पाकिस्तान का पसंदीदा और कांग्रेस का चुना हुआ! उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विदेश नीति हमेशा पाकिस्तान को खुश करने वाली रही है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने आतंकवाद पर कठोर रुख दिखाने की बजाय पाकिस्तान की स्थितियों को समझने और उनका पक्ष लेने की कोशिश की। इसको लेकर उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी कांग्रेस पर खूब हमला बोला। इस दौरान भंडारी ने कहा कि क्या कोई देशभक्त कभी यह कह सकता है कि आतंकी राज्य

पाकिस्तान उसके लिए घर जैसा है? उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति के तहत आया है और यह 140 करोड़ भारतीयों व शहीद सैनिकों का अपमान है। भंडारी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पित्रोदा गांधी परिवार के करीबी हैं और लंबे समय से उनकी रणनीति तय करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में आईएसआई एजेंट शाहिद अफरीदी ने राहुल गांधी को आइडल कहा था और अब उनका नजदीकी पाकिस्तान को घर बता रहा है। भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पहले भी कह चुके हैं कि वह भारतीय राज्य से लड़ना चाहते हैं। भाजपा ने इसे देश की संप्रभुता पर हमला और कांग्रेस की राष्ट्र विरोधी सोच करार दिया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की।

ईसी पर एक और वार

चुनाव का चौकीदार जागता रहा चोरी देखता रहा-राहुल गांधी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने वोट चोरी के आरोपों को दोहराया और चुनाव आयोग पर कटाक्ष करते हुए इसे चुनावी चौकीदार कहा। अपने एक्स पोस्ट में राहुल ने लिखा कि सुबह 4 बजे उठो, 36 सेकंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ - ऐसे भी हुई वोट चोरी! चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा। इससे पहले उन्होंने एक्स पर लिखा था कि देश के युवा, देश के स्टूडेंट, देश की त्द्द्ठु ' संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को

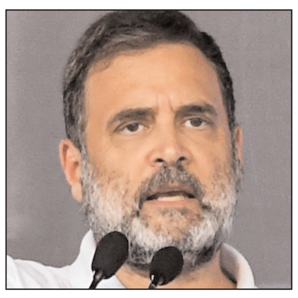

रोकेंगे। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जय हिंद! राहुल गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। हालाँकि कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि तथाकथित 'हाइड्रोजन बम' का अभी भी अंदेशा है, उन्होंने दावा किया कि कुछ खास लोग उन अल्पसंख्यक समूहों के वोटों को व्यवस्थित रूप से काट रहे हैं जो विशेष रूप से कांग्रेस को वोट देते हैं। कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने कहा, मैं युवाओं और जनता को इस बात का स्पष्ट सबूत दिखाने जा रहा हूँ ।कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त उन लोगों को संरक्षण दे रहे हैं जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट किया है। मैं आपको वोट जोड़ने, हटाने के तरीके भी दिखाऊँगा और यह भी दिखाऊँगा कि यह कैसे किया जाता है।

कंगना रनौत आए तो थप्पड़ मार देना, कांग्रेस नेता के बिगड़े बोल से भड़की आग

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत को लेकर तमिलनाडु कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ बयान दिया है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष केएस अलागिरी ने लोगों से अपील की है कि अगर कंगना तमिलनाडु आती हैं, तो उन्हें तमाचा मार दिया जाना चाहिए। उन्होंने कंगना को अहंकारी बताते हुए उन पर बेतुकी बातें करने का आरोप लगाया। दरअसल, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केएस अलागिरी से कंगना रनौत के उस पुराने बयान पर सवाल किया गया था। जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि महिला कार्यकर्ता 100 रुपये लेकर विरोध प्रदर्शनों में शामिल होती हैं।

राजनाथ सिंह बोले-शौर्य को सलाम!

भारत ने खुद गढ़ी अपनी नियति अब जीत हमारी आदत-राजनाथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 के युद्ध के दिग्गजों के साथ बातचीत के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। पाकिस्तान के खिलाफ चार बड़े युद्धों और चीन के खिलाफ एक युद्ध का हवाला देते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ भाग्यशाली नहीं रहा है, बल्कि उसने अपनी नियति खुद गढ़ी है। राजनाथ सिंह ने साउथ ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज़ादी के

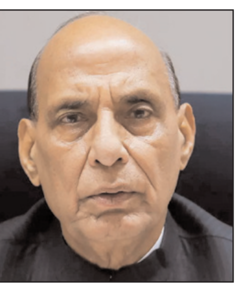

बाद से, भारत अपने पड़ोसियों के साथ भाग्यशाली नहीं रहा है, लेकिन हमने इन चुनौतियों को नियति मानकर स्वीकार नहीं किया है; हमने अपनी नियति खुद गढ़ी है। राजनाथ ने कहा कि हमने ऑपरेशन सिंदूर में इसका एक उदाहरण देखा। उस घटना ने हमें भारी मन और क्रोध से भर दिया, लेकिन इसने हमारा मनोबल नहीं तोड़ा। हमारे प्रधानमंत्री ने एक प्रतिज्ञा ली, और हमने दशकों से यह प्रदर्शित किया है कि जीत हमारी आदत बन गई है, जिसे हमें बनाए रखना चाहिए। राजनाथ सिंह ने युद्ध के दिग्गजों की बहादुरी और बलिदान की सराहना करते हुए कहा, मैं सोच रहा था कि वह कौन सी भावना है जो हमें अपना सब कुछ कुर्बान करने के लिए प्रेरित करती है। आत्म-सम्मान की भावना सबसे बड़ी भावना है। अगर विदेशी ताकतें हमें बुरी नज़र से देखने की हिम्मत करती हैं, तो हम उनकी रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देते हैं।

छत्तीसगढ़ पीएससी एग्जाम 2020-2021 घोटाले मामले में

रिटायर्ड आईएएस समेत पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

सीबीआई ने छत्तीसगढ़ पीएससी एग्जाम 2020-2021 घोटाले मामले में रिटायर्ड आईएएस समेत पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है। लोक सेवा आयोग की परीक्षा नियंत्रक रही आरती वासनिक, पीएससी के सचिव रह चुके पूर्व आईएएस जीवनलाल ध्रुव, उनके बेटे सुमित ध्रुव, समेत निशा कोसले, दीपा आदिल को हिरासत में लेकर स्पेशल कोर्ट में पेश किया। मामले में पूछताछ कर रही है। इससे पूर्व भी सीबीआई ने वासनिक को हिरासत में लिया था, लेकिन पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। इस घोटाले में पहले ही सात लोगों गिरफ्तार किये गये थे। सीबीआई ने तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पॉवर एंड इस्पात के तत्कालीन निदेशक श्रवण कुमार गोयल को गिरफ्तार किया था। फिर पांच और आरोपियों को अरेस्ट किया था। इन पांच आरोपियों में नितेश सोनवानी और ललित गणवीर शामिल हैं। 12 जनवरी को शशांक गोयल, भूमिका कटियार और साहिल सोनवानी को गिरफ्तार किया गया था। वर्तमान में सभी आरोपी जेल की सजा काट रहे हैं। यह मामला सीजीपीएससी की भर्ती प्रक्रिया 2020-2022 के बीच हुई अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप है कि इस भर्ती प्रक्रिया में योग्य अभ्यर्थियों की उपेक्षा कर प्रभावशाली राजनेताओं और सीनियर ऑफिसर्स के रिश्तेदारों, उनके करीबियों और परिजनों को डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी समेत अन्य उच्च पदों पर

चयनित किया गया था। इससे भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। इस घोटाले मामले में श्रवण कुमार गोयल ने अपने बहू और बेटे को डिप्टी कलेक्टर के रूप में चयन कराने के लिये सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को कथित रूप से 45 लाख रुपये रिश्वत के रूप में दिये थे। आरोप है कि उन्होंने ग्रामीण विकास समिति के माध्यम से दो किश्तों में 20 लाख और 25 लाख रुपये कथित रूप से रिश्वत राशि का भुगतान किया था। ये रिश्वत गोयल के बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटारिया का छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में उप जिलाधिकारी के रूप में चयन करने के लिये दी गई थी। पिछली सरकार (कांग्रेस कार्यकाल) में सीजीपीएससी भर्ती घोटाले में 48 मामलों की शिकायत राज्यपाल, सीएम और मुख्य सचिव से की गई थी। आयोग ने सीजीपीएससी 2021 के लिए 171 पदों पर प्रारंभिक भर्ती परीक्षा 13 फरवरी 2022 को ली थी। इसमें 2565 लोग उत्तीर्ण हुए थे। 26 से 29 मई 2022 को हुई मुख्य परीक्षा में कुल 509 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए थे। इंटरव्यू के बाद 11 मई 2023 को 170 अभ्यर्थियों की सूची जारी हुई थी। इस भर्ती में अनियमितता और भाई भतीजावाद के आरोप में सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, सचिव जीवनकिशोर ध्रुव, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक समेत अन्य अधिकारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज हुई थी।

पूर्व मंत्री की शिकायत को बनाया आधार

इस भर्ती घोटाले को लेकर रमन सरकार में पूर्व मंत्री रहे और बीजेपी के सीनियर नेता ननकीराम कंवर ने पीएससी परीक्षा 2021-22 में अनियमित की शिकायत राज्यपाल से लिखित में की थी। इसके बाद महानिदेशक ईओडब्ल्यू/एसीबी रायपुर को अपराध पंजीबद्ध करने के लिए राज्य शासन की ओर से 2 फरवरी 2024 को पत्र मिला था। शिकायत में राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष सोनावानी, सचिव, राजनेता और अन्य ने मिलीभगत कर अपने बेटे-बेटियों, रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर समेत अन्य पदों पर फर्जी तरीके से भर्ती किए जाने पर केंद्रीय एजेंसी से जांच कराकर क्रमांक 1 से 71 की चयन सूची को निरस्त कर मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए कार्रवाई करने के लिये राज्यपाल से अनुरोध किया था।

झोला छाप डॉक्टर के लापरवाहीपूर्वक ईलाज से मौत,जॉच दौरान डॉक्टरी डिग्री पायी गयी फर्जी

आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक रिमाण्ड पर

बालोद (समय दर्शन)। प्रार्थी आनंदराव जनबंधु पिता रामचन्द्र जनबंधु, उम्र 64 साल, ग्राम हज्जुटोला, थाना चिल्हाटी, जिला मोहला मानपुर अम्बागढ़ चैकी के पुत्र सुभाष कुमार जनबंधु उम्र 40 साल पिछले 14-15 वर्ष से बवासीर (पाईल्स) की बीमारी से ग्रसित था, जो देशी दवाई से ईलाज करवा रहा था, जो ठीक नही हो रहा था। जिसको ईलाज के लिये दिनांक 08.05.2025 को डॉक्टर रेखराम साहू निवासी कांदुल थाना अर्जुन्दा, जिला बालोद के पास लाये थे ईलाज के लिये डॉक्टर रेखराम साहू ने प्रार्थी से 8000/-रूपये लेकर मृतक सुभाष जनबंधु के गुदा द्वार में अलग-अलग जगहो पर 09 इंजेक्शन लगा दिया था। दुसरे दिन दिनांक 09.05.2025 को सुभाष जनबंधु का अत्यधिक रक्त स्त्राव होने लगा साथ ही उसका पेट फूलने लगा तब मृतक के परिजनो ने आरोपी डॉक्टर को फोन पर इसकी जानकारी दी तब वह टाल मटोल कर फोन बंद कर दिया। मृतक सुभाष जनबंधु को परिजनो द्वारा ईलाज के लिये शंकराचार्य अस्पताल जुनवानी में भर्ती कराये थे, जहां ईलाज के दौरान डॉक्टरो ने आरोपी डॉक्टर द्वारा गलत तरीके से ईलाज करना बताया जिससे मरीज की हालात

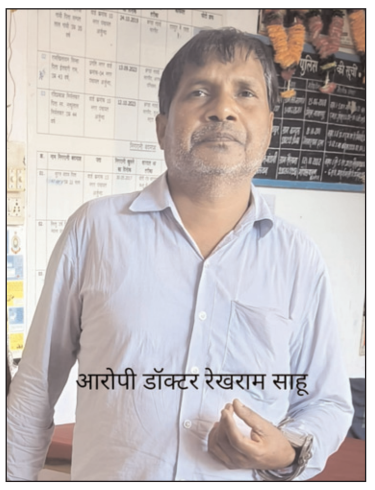

आरोपी डॉक्टर रेखराम साहू

अत्यंत खराब हो गई थी अत्यधिक रक्त स्त्राव तथा इंनफेक्शन के कारण मरीज की दिनांक 11.05.2025 को मृत्यु हो गई। जिस संबंध में परिजनो द्वारा शिकायत आवेदन दिया था जिसकी जॉच एसडीओपी गुण्डरदेही के द्वारा किया गया जिन्होने जॉच दौरान पाया कि डॉक्टर रेखराम साहू का डॉक्टरी डिग्री छ.ग. में रजिस्ट्रेशन नही है तथा सुभाष जनबंधु के ईलाज के दौरान लापरवाहीपूर्वक इंजेक्शन लगाया था जिससे सुभाष जनबंधु की मृत्यु हो गयी।

पुलिस अधीक्षक जिला बालोद योगेश पटेल के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति मोनिका ठाकुर व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी राजेश बागडे अनुविभाग गुण्डरदेही के मार्गदर्शन में आरोपी की पतासाजी हेतु थाना प्रभारी अर्जुंदा उप निरीक्षक जोगेन्द्र साहू के नेतृत्व में टीम गठित किया गया था जिनके द्वारा आरोपी की पतासाजी कर थाना लाकर पूछताछ किया गया आरोपी द्वारा धारा सदर का अपराध करना पाये जाने पर आरोपी को 18 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है।

संपूर्ण कार्यवाही मे उप निरीक्षक जोगेन्द्र साहू थाना प्रभारी अर्जुन्दा, सउनि. हुसैन सिंह ठाकुर, प्र0आर0 टुमन रावटे, आर0 पंकज तारम, आर0 तेजराम साहू, मनोज धनकर, की सराहनीय भुमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

एनएमडीसी बचेली ने सीएसआर के तहत बीजापुर को प्रदान किए 4 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण

दंतेवाड़ा, बचेली (समय दर्शन)। एनएमडीसी, बचेली अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रही है और स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में, 19 सितंबर 2025 को एनएमडीसी, बचेली के सीएसआर विभाग के उप महाप्रबंधक (मा.सं.) जोसी थॉमस ने बीजापुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत वाले विभिन्न चिकित्सा उपकरण सौंपे। इन उपकरणों में 1 अल्ट्रासाउंड मशीन, 30 बेबी वार्मर मशीन, 25 फोटोथेरेपी यूनिट, 1 अपर जीआई एंडोस्कोपी मशीन और 7 फ्लोर क्लीनिंग मशीन शामिल हैं। ये उपकरण बीजापुर और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होंगी। एनएमडीसी, बचेली का यह प्रयास सामाजिक विकास और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो क्षेत्र के समग्र विकास में सहयोगी साबित होगा।

गणेश उत्सव समितियों का विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने किया सम्मान

राजनांदगांव। संस्कारधानी के नाम से पहचान बनाने वाला राजनांदगांव इस वर्ष भी भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आया। पूरे शहर में गणपति बप्पा की भव्य झांकियों और उत्सव की धूम रही। इन आयोजनों को सफल बनाने में जुटी गणेश उत्सव समितियों का मनोबल बढ़ाने के लिए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से नगर निगम टाउन हॉल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शहर की 128 गणेश उत्सव समितियों को सम्मानित किया गया। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह मंत्री नंदू राम साहू ने कहा कि गणेश मूर्तियों को पारंपरिक और सनातन परंपराओं के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने समितियों से आग्रह किया कि झांकियों और कार्यक्रमों में देशभक्ति और भक्ति गीतों को प्राथमिकता दें, ताकि युवा पीढ़ी में जागरूकता और राष्ट्रभक्ति का संचार हो।

प्रांत मंत्री विभूतिभूषण पांडे ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की स्थापना, उद्देश्यों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका की जानकारी देते हुए समितियों से जुड़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रांत विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अरुण गुप्ता, संगठन मंत्री कन्हैया कुंदन, विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, विभाग सह मंत्री प्रशांत दुबे, विभाग सह संयोजक सुनील सेन, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, जिला मंत्री त्रिगुण सादानी, जिला कोषाध्यक्ष लव कुमार मिश्रा, जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा, जिला सह संयोजक अंशुल कसार, समरसता प्रमुख बाबाजी बौद्ध, नगर अध्यक्ष शिव वर्मा, नगर मंत्री अंकित खंडेलवाल, नगर संयोजक मोहित यादव, गौ रक्षा प्रमुख प्रिंस हाथीबेड, नगर सह संयोजक गौरव शर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा भोला सिन्हा, दीपक सिन्हा, राहुल ताम्रकार, सारंग ताम्रकार, जुगल शर्मा, आशीष गांधी, मातृशक्ति संयोजिका अंजली वाडेकर और सह संयोजिका बबीता मिश्रा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के अंत में सभी समितियों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजकों ने कहा कि यह सम्मान न केवल परंपराओं को आगे बढ़ाने वालों का है, बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कृति को जीवंत रखने वालों का भी है।

गरबा के नाम पर अश्लीलता और फूहड़ता बर्दाश्त नहीं : हिन्दू युवा मंच

राजनांदगांव। हिन्दू युवा मंच जिला इकाई ने आगामी नवरात्र के पर्व और नवरात्र के अवसर पर संस्कारधानी नगरी में होने वाले गरबा पंडालो के सभी आयोजनकर्ताओं से गरबा की मर्यादा को ध्यान में रखने और किसी भी आयोजन में देवी-देवताओं के प्रतीकात्मक स्वरूप वाली थीम का प्रदर्शन न करने, छोटे और अंग प्रदर्शन वाली युवतियों को पंडाल के भीतर प्रवेश न देने और फूहड़ बॉलीवुड गीतों को न बजाने की अपील की है। गरबा उत्सव से जुड़ी तमाम गतिविधियों पर इस बार भी हिन्दू युवा मंच की पैनी नजर रहेगी। मंच ने सख्त लहजों में हिदायत दी है कि, ऐसे पावन और धार्मिक आस्था से जुड़े आयोजन में फूहड़ता और अश्लीलता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। हिन्दू युवा मंच के जिला प्रभारी किशोर माहेश्वरी के मार्गदर्शन में और जिला अध्यक्ष सुरेश लोहमार, शहर अध्यक्ष राजा ताम्रकार और जिला महामंत्री अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में हिन्दू युवा मंच ने एक विज्ञप्ति जारी कर, गरबा पंडालों से संस्कारधानी के अनुरूप गरबा उत्सव को पारम्परिक और मर्यादित तरीके से मनाने की अपील की है। इसके अलावा धार्मिक तीर्थ स्थलों और हिन्दू देवी-देवताओं के प्रतीकात्मक स्वरूप और उनका स्वांग रचने थीम का भी कड़ा विरोध करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि, पिछले वर्ष भी मंच के द्वारा गरबा पंडालों को सख्त हिदायत दी थी, हिदायत के बाद कुछ गरबा पंडालों ने अपनी थीम बदल दी थी तो वहीं कुछ एक गरबा पंडालों ने इस अनदेखी की थी, जब उन्हें इसकी खबर मिली तो उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्ट्राग्राम पर माफी भी मांगी थी। धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने की यदि इस बार गलती की गई तो उन्हें कड़े विरोध और आंदोलन का सामना करने तैयार रहने की खुली चुनौती दी गई है। मंच ने यह भी हिदायत दी है कि, यदि किसी पंडाल ने भूलवश या जानबूझकर देवी देवताओं के स्वांग रचने वाली थीम रखी है तो समय रहते उसे बदल दे। हमारी चेतावनी के बाद भी यदि किसी गरबा पंडालों ने ऐसा दुस्साहस करने का प्रयास भी किया तो उन्हें इसका खामियाजा भुगतना होगा। हमारी इस अपील के बाद भी अगर देवी-देवताओं का अनादर करने वाले और धार्मिकता का उपहास उड़ाने वाले कोई भी आयोजन होने की सूचना हमें प्राप्त होती है तो आयोजन को तत्काल प्रभाव से उसी समय बंद करा दिया जायेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आयोजन समितियों की होंगी। संगीत एवं गीतों का चयन केवल देवी भक्ति और पारंपरिक गरबा डांडिया गीत बजाने, अश्लील, फूहड़ और द्विअर्थी गीत पर पाबंदी, महिलाओं की सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाने, महिला हेल्प डेस्क एवं शिकायत केंद्र की स्थापना गरबा पंडालों में करने, गरबा स्थल का प्रयोग केवल धार्मिक उद्देश्य के लिए करने की हिदायत दी है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जगमगाया दुलेश साहू का घर

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजनाः घर-घर पहुँच रही मुफ्त बिजली, बिजली बिल से मिली राहत, सौर ऊर्जा से जगमगाया घर

दुर्ग(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने दुर्ग जिले के गोल्डन चौक धनोरा निवासी दुलेश कुमार साहू के जीवन में उजाला ला दिया है। श्री साहू ने योजना का लाभ उठाकर अपने घर की छत पर 20म20 फीट जगह में 3 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित किया है। इसके लिए उन्हें बैंक ऑफ बड़ौदा से ऋण मिला, जिस पर 78,000 रूपए की अनुदान राशि भी प्राप्त हुई। सोलर पैनल लगाने के बाद श्री साहू का मासिक बिजली बिल जो पहले 2000-3000 रूपए तक आता था, अब घटकर मात्र 100-200 रूपए रह गया है। तीन महीनों में उनके सोलर पैनल से 1140 यूनिट बिजली उत्पन्न हुई और लगभग 481 यूनिट बिजली विभाग को लौटाई गई। श्री साहू ने बताया कि वेंडर ने एक सप्ताह के भीतर पूरा सिस्टम स्थापित कर दिया। बैंक से वित्तीय सहायता और बिजली विभाग की सभी औपचारिकताएँ भी वेंडर द्वारा पूरी कराई गईं। उन्होंने कहा कि इस योजना से उन्हें बड़ी राहत मिली है और अब वे बची हुई राशि को अन्य कार्यों में निवेश कर पा रहे हैं। उन्होंने अपने रिश्तेदारों व आस-पड़ोस के लोगों को भी इस योजना के लाभ के बारे में बताया। श्री साहू ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ। इस योजना ने मेरे घर को रोशन किया है और मैं चाहता हूँ कि हर घर में सौर ऊर्जा का उपयोग हो।

शासकीय कमलादेवी राठी महिला महाविद्यालय में पूर्व छात्राओं का आत्मीय मिलन

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित रजत जयंती समारोह की श्रृंखला में शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एल्युमिनी मीट (पूर्व छात्र मिलन) का भव्य आयोजन किया गया। महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 60 पूर्व छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए एल्युमिनी एसोसिएशन की प्रभारी प्राध्यापक डॉ. हरप्रीत कौर गरचा ने बताया कि इस अवसर पर एसोसिएशन की अध्यक्ष श्रीमती शारदा तिवारी, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्या देशपांडे, कोषाध्यक्ष श्रीमती वर्षा अग्रवाल तथा संयुक्त सचिव डॉ. सोनल मिश्रा ने संगठन की गतिविधियों को विस्तार देने पर जोर दिया और अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्राओं ने महाविद्यालय में बिताए अपने छात्र जीवन की सुनहरी यादें साझा कीं और उस दौर के प्राध्यापकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डोंगरगढ़ की वर्तमान विधायक व महाविद्यालय की पूर्व छात्रा श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल ने भी एल्युमिनी मीट में विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने बताया कि वे वर्ष 2010 में इस महाविद्यालय से स्नातक हुई थीं और आज जो कुछ भी हैं, उसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकों का विशेष योगदान रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित जिला लोक अदालत, राजनांदगांव की जज सुश्री नेहा गुप्ता ने छात्राओं को संबोधित करते हुए सोशल मीडिया के प्रति सचेत रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में युवाओं को संबंधों को लेकर सतर्क रहना चाहिए और किसी भी संकट की स्थिति में अपने माता-पिता की सलाह को प्राथमिकता देनी चाहिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी कु. छाया वर्मा को एल्युमिनी एसोसिएशन द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य व एल्युमिनी एसोसिएशन के पदेन सचिव डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में संगठन के दायरे को और अधिक व्यापक बनाने की बात कही, जिससे एसोसिएशन के कोष में वृद्धि हो सके और रचनात्मक कार्यों को मूर्त रूप दिया जा सके।

महाविद्यालय जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष सुश्री मणिभास्कर गुप्ता ने सभी आमंत्रित पूर्व छात्राओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से संस्था और पूर्व छात्राओं के मध्य संबंध और अधिक मजबूत होते हैं। कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्य शीतल पारख, सीमा डोल्हे, भारती गौते, रूचि जैन सहित कई आजीवन सदस्यगण भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. बसंत कुमार सोनबेर ने किया। आयोजन को सफल बनाने में सुश्री आबेदा बेगम, महेन्द्र मेश्राम, डॉ. बृजबाला उइके तथा डॉ. नीता एस. नायर की सराहनीय भूमिका रही।

क्रीड़ा भारती क्रीड़ा केंद्र खेलगांव खम्हरिया की रागिनी यादव का राज्य एथलेटिक्स प्रतियोगिता चयन

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने दिया बधाई

दुर्ग। 21 से 24 सितंबर तक जगदलपुर में आयोजित 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए क्रीड़ा भारती क्रीड़ा केंद्र खेलगांव खम्हरिया के खिलाड़ी रागिनी यादव का चयन 17 वर्ष आयु वर्ग 3000 मीटर पैदल ?चाल में हुआ है। धनोरा निवासी रागिनी यादव का चयन बालोद में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है।

रागिनी यादव के प्रदर्शन को देखते हुए गजेंद्र यादव केबिनेट मंत्री स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी छ.ग.शासन ने रागिनी यादव की इस उपलब्धि को देखते हुए उज्जवल भविष्य की लिए बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दिया एवं तत्काल 2000 रुपए नगद देकर प्रोत्साहित भी किया एवं साथ ही साथ खिलाड़ियों को हर संभव मदद के लिए आश्वासन भी दिया। रागिनी यादव के पिताजी नीलकंठ यादव एवं माताजी अनिता यादव भी मंत्री जी को धन्यवाद देकर भाव विभोर हो गए। धनोरा की सरपंच ग्राम पंचायत धनोरा रुलेश्वरी बंजारे ने रागिनी यादव के लिए 2 जोड़ी जूता(कंपटीशन जूता एवं जागर शूज) एवं पूर्व माध्यमिक शाला की प्रधान पाठक श्रीमती पुष्पा सिंह मैडम ने ट्रैकसूट अपने तरफ से प्रदान किया। ज्ञातव्य हो कि रागिनी यादव विगत पांच माह से खेलगांव खम्हरिया क्रीड़ा भारती क्रीड़ा केंद्र मुख्य प्रशिक्षक एवं पीटीआई सेजस फरीदनगर बालकदास डहरे एवं बी.आर.साहू अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बी.आर.साहू के कुशल निर्देशन में सुबह-शाम नियमित अभ्यास कर रही है एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धनोरा में कक्षा सातवीं की छात्रा है। इनकी उपलब्धि के लिए दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल , कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त दुर्ग ग्रामीण विधायक उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ ललित चंद्राकर, को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे,जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती राजेश्वरी चंद्राकर,भाजपा उतई मंडल अध्यक्ष श्रीमती शीतला ठाकुर उपसरपंच पुरई , एनआईएस कोच विनोद नायर दुर्ग संभाग प्रमुख क्रीड़ा भारती, डोमार सिंह साहू सरपंच पुरई , छबी लाल साहू सांसद प्रतिनिधि एवं पंच वार्ड क्रमांक -15,श्रीमती दुलारी देशलहरे सरपंच ग्राम पंचायत खम्हरिया, शाला के समस्त स्टाफ शिक्षक आराधना ठोकने श्रीमती विद्या रात्रे, आरती वर्मा,अजय साहू,माधवी,प्रेमलता गुप्ता,संकुल समन्वयक श्रीमती सुमन प्रधान,शिक्षक हिमांशु साहू, चंद्रशेखर बंजारे की अध्यक्ष सतनामी आश्रम दुर्ग ने बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया।

तीन माह बाद भी किताबें नहीं पहुँचीं: शिक्षा की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल

तिमाही परीक्षा सिर पर, विद्यार्थी हाथों में खाली कॉपी

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रदेश सरकार व प्रशासन शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के दावे तो कर रहा है, लेकिन ज़मीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। छत्तीसगढ़ में 16 जून से शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि विद्यार्थियों को निशुल्क पुस्तकें समय पर मिलेंगी। लेकिन तीन महीने बीत जाने के बावजूद आज तक अधिकांश शालाओं में किताबें नहीं पहुँची हैं। शिक्षा को जिस तरह से सरकार ने खिलवाड़ बना लिया है उसी तर्ज पर शिक्षक भीं कई कई जिम्मेदारियो से लदे हुए है। पाठ्यपुस्तक निगम से कई विषयो की पुस्तके अब तक नहीं पहुंची है जंहा साय सरकार प्रदेश में शिक्षक गुणवत्ता वर्ष माना रही है, वही स्कूलों में छात्र-छात्राओं को पुस्तक के नहीं मिलने के चलते पढ़ाई में गुणवत्ता कैसे आएगी ?

गुणवत्ता सुधार सिर्फ कागज़ों में : अधिकारियों की ओर से लगातार निरीक्षण दौरे किए जा रहे हैं। रजत जयंती सप्ताह, स्वच्छता सप्ताह और अन्य कार्यक्रमों में

शिक्षा सुधार के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। मगर सवाल यह है कि जब बच्चों के हाथों में अब तक किताबें ही नहीं पहुँचीं, तो पढ़ाई में सुधार कैसे संभव होगा ? साथ इसी वर्ष बीच शैक्षणिक कैलेंडर में तीन माह बीतने के बाद विभाग द्वारा प्रमोशन प्रमोशन खेलते हुए प्राचार्य. लेक्चर बनाए जा रहे हैं, युक्ति युक्ति कारण तो किया ही गया था साथ ही जल्द खुलने वाले छ्.श्वस्त्र कॉलेज के लिए शिक्षको की दरकार होगी फिर इन्हीं स्कूलों से इन्हें यहां पदस्थ किया जाएगा तीन माह बीतने के बाद जहां तिमाही परीक्षा होनी है। वंही यह उथल पुथल से शिक्षा पर प्रभाव पढना लाजमी है।

परीक्षा नज़दीक, पर किताबें गायब : गाँवों में पहली से दसवीं तक की कक्षाओं के लिए शासन की ओर से हर साल मुफ्त किताबें दी जाती हैं। इस बार स्थिति इतनी बदतर है कि 22 सितंबर से तिमाही परीक्षा शुरू होने जा रही है, लेकिन बच्चे अब तक बिना किताबों के हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कक्षा 4 की हिंदी व अंग्रेजी, कक्षा 6 का गणित, कक्षा 10 की अंग्रेजी समेत कई विषयों की पुस्तकें आज तक अप्राप्त हैं।

पालकों पर पड़ा आर्थिक बोझ : कई पालकों ने बताया कि मजबूरी में उन्हें निजी खर्च पर बाजार से किताबें खरीदनी पड़ीं। ऐसे में अगर बाद में शासन किताबें बाँट भी देता है, तो भी पालकों की जेब से किया गया खर्च व्यर्थ हो जाएगा।

शासन-प्रशासन के दावों पर उठे सवाल : बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने से शिक्षा की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शासन की लापरवाही से न केवल विद्यार्थी पीछे छूट रहे हैं, बल्कि प्रशासन के सुधार के दावे भी खोखले साबित हो रहे हैं।

जनता पूछ रही है - क्या शिक्षा में सुधार सिर्फघोषणाओं और उत्सवों तक सीमित रह गया है? : वहीं राजिम विधानसभा के विधायक रोहित साहू से जब चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि जैसे ही मामला संज्ञान में आया, मैंने तत्काल डीईओ को निर्देशित किया है कि अभिलंब पुस्तक वितरण करे कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी , ताकि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था बत्तर स्थिति में पहुँच चुकी है। देश व बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। यह मोदी की गारंटी और सांय सांय सरकार की नाकामी का जीता-जागता उदाहरण है। जनता त्रस्त है और छात्रों का कीमती समय बर्बाद किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत धीर ने बताया की हमने पुस्तकों के वितरण के लिए दो अधिकारी लगाए है। जैसे जैसे पुस्तके आ रही है वितरण किया जा रहा है।

एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेस इंडिया ने डिजिटल खाई को पाटने के लिए रायपुर में एसओएस मोबाइल डिजिटल लर्निंग सेंटर का उद्घाटन किया

रायपुरः एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेस इंडिया ने असुरक्षित बच्चों और युवाओं के लिए कौशल और डिजिटल शिक्षा की पहुंच का विस्तार करने हेतु अपने एसओएस मोबाइल डिजिटल लर्निंग सेंटर का उद्घाटन किया। यह पहल एक बड़े डिजिटल स्किलिंग प्रोग्राम का हिस्सा है, जो बच्चों, महिलाओं और युवाओं को डिजिटल लर्निंग अवसरों, करियर मार्गदर्शन और जीवन कौशल के साथ सशक्त बनाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भरता और रोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें।

एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेस इंडिया के सीईओ, श्री सुमंत कर ने कहा,

यह कार्यक्रम मोबाइल डिजिटल लर्निंग सेंटर के माध्यम से डिजिटल लर्निंग अवसर प्रदान करने पर केंद्रित होगा। यह वैन रायपुर जिले में यात्रा करेगी और असुरक्षित समुदायों के बच्चों/युवाओं/महिलाओं को इस डिजिटल दुनिया में आवश्यक उपकरणों से सशक्त बनाएगी। यह पहल डिजिटल खाई को पाटने और विशेष रूप से दूरदराज़ और वंचित क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखती है।

उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, महिला एवं बाल विकास, छत्तीसगढ़ राज्य, रायपुर के संयुक्त निदेशक श्री नंदलाल चौधरी ने कहा, मोबाइल डिजिटल लर्निंग सेंटर (एमडीएलसी) के उद्घाटन के लिए आज यहां होना मेरे लिए अत्यंत खुशी की बात है — शिक्षा को और अधिक समावेशी, सुलभ और भविष्य-उन्मुख बनाने की दिशा में यह एक वास्तव में अभिनव कदम है। जब हम डिजिटल क्रांति और शिक्षा क्षेत्र के संगम पर खड़े हैं, तो इस तरह के मोबाइल लर्निंग मॉडल डिजिटल खाई को पाटने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा केवल इसलिए पीछे न छूटे क्योंकि वह कहाँ पैदा हुआ।

मोबाइल डिजिटल लर्निंग सेंटर कंप्यूटर, इंटरनेट कनेक्टिविटी और विभिन्न आयु समूहों के लिए डिज़ाइन किए गए इंटरैक्टिव लर्निंग मॉड्यूल से सुसज्जित है। भारत भर में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने की दिशा में, यह पहल कोडिंग, ऑनलाइन सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और करियर रेडीनेस पर कार्यशालाओं का आयोजन करेगी, जिससे समग्र विकास सुनिश्चित होगा। मोबाइल डिजिटल लर्निंग सेंटर की दृष्टि वंचित समुदायों के दरवाज़े तक तकनीक पहुँचाने के इर्द-गिर्द केंद्रित होगी।

एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेस इंडिया के बारे में- 1964 में स्थापित, एसओएस चिल्ड्रन्स विलेजेस इंडिया उन बच्चों को, जिनके पास माता-पिता नहीं हैं या जो उन्हें खोने के जोखिम में हैं, गुणवत्तापूर्ण देखभाल सेवाओं की एक मूल्य श्रृंखला प्रदान करता है।

जो केवल चाइल्डकेयर से आगे बढ़कर व्यापक बाल विकास सुनिश्चित करती है। हमारी कस्टमाइज्ड केयर इंटरवेंशन्स, जैसे कि फैमिली-लाइक केयर, फैमिली स्ट्रेंथनिंग, किंशिप केयर, शॉर्ट स्टे होम्स, फॉस्टर केयर, यूथ स्किलिंग, इमरजेंसी चाइल्डकेयर और स्पेशल नीड्स चाइल्डकेयर का उद्देश्य जीवन को बदलना है और हमारी देखभाल में बच्चों को आत्मनिर्भर और समाज के योगदानकारी सदस्य बनने में सक्षम बनाना है। संगठन समुदायों में असुरक्षित परिवारों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने के लिए सशक्त करता है, जिससे वे अपने बच्चों के लिए सुरक्षित और पोषित वातावरण बना सकें।

वास्तविक सुख बाहर नहीं भीतर आत्मा में : महेंद्र सागर

संसार में राग, द्वेष व मोह रहित जीना है

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में जारी पांच दिवसीय भेद विज्ञान शिविर का गुरुवार को समापन हुआ। धर्मसभा में उपाध्याय भगवंत आध्यात्म योगी महेंद्र सागर महाराज साहब ने कहा कि संसार में शरीर और भोग के चक्कर में घूमते रहते हैं। इसी को सुख मान बैठे हैं। बाहर के काल्पनिक सुख को ही हम सुख मान बैठे हैं। वास्तविक सुख आत्मा में है। इंद्रिय सुख काल्पनिक है। आत्मिक सुख वास्तविक है। आत्मिक सुख मिलेगा तो शांति सहज आएगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि कर्म के द्वारा हमारा पूरा ध्यान शरीर में होता है। शरीर के भीतर जो आत्मा है, उसकी तरफहम सोच भी नहीं पाते। हमारा पूरा ध्यान अघातीय कर्म में लगा रहता हैं। कामना हमेशा रहती है पुण्य का उदय बना रहे। अच्छी व्यवस्था मिलती रहे। मन के अनुकूल सब हो। सब पुण्य हो, लेकिन पुरुषार्थ पाप का करते रहते हैं। घातीय कर्म की कामना नहीं करते हैं। कर्मों का बंध निरंतर होता रहता है। कर्म हमारे गुणों का घात करते हैं। हमारे गुणों को विकसित नहीं होने देते। ये कर्म ही संसार में परिभ्रमण कराते रहते हैं।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि मैं आत्मा हूं इस सोच से आगे बढ़ेंगे तो आत्म कल्याण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। सहज शांति का अनुभव होगा। आकुलता में सुख नहीं है। निराकुलता में सुख है। जीवन में कोई विकल्प नहीं हो। राग, द्वेष और मोह यह हमारे संताप, दुखों की जड़ है। राग व द्वेष को महत्व नहीं देना है। राग और द्वेष बाहर के हैं। महत्व आत्मा का है। आत्मा शुद्ध अवस्था में रहे। राग द्वेष रहित आत्मा रहे। इस पर सदैव लक्ष्य बनाना है। राग व द्वेष करना भी चारित्र्य है। राग व द्वेष नहीं करना भी चारित्र्य है। राग व द्वेष करना मिथ्या चारित्र्य है। राग व द्वेष नहीं करना सम्यक चारित्र्य है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि भेद विज्ञान का पहला लक्ष्य अपनी समझ को देव, गुरु और शास्त्र की समझ के माध्यम से अच्छी बनाना है। समझ और मान्यताओं को ठीक करना है। भेद विज्ञान का दूसरा उद्देश्य समझ और मान्यता ठीक हो जाए तो उसे मान्यता के आधार पर संसार को देखना है। संसार में राग, मोह व द्वेष रहित जीना है। दृष्टिकोण को सम्यक बनाना है। सम्यक दृष्टिकोण से ज्ञान को सम्यक बनाना है। वस्तु में राग द्वेष उत्पन्न किए बगैर जीना है।

सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन

रायपुर। सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आज छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ, मुख्यालय वनधन भवन, सेक्टर-24, नवा रायपुर में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 11.30 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित हुआ। यह आयोजन सेवा पखवाड़ा के तहत मानव सेवा और सामाजिक योगदान का एक प्रेरणादायक उदाहरण बना।

इस शिविर में वनोपज संघ के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और लगभग 40 यूनिट रक्त स्वेच्छा से दान किया। खास बात यह रही कि इस शिविर में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। यह आयोजन लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक श्री अनिल कुमार साहू के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने भी रक्तदान कर दूसरों को प्रेरित किया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी चिकित्सीय नियमों का पालन करते हुए रक्त संग्रहण किया। इस अवसर पर सभी उपस्थित

अधिकारियों और कर्मचारियों ने नियमित रूप से रक्तदान करने का संकल्प लिया। प्रबंध संचालक श्री साहू ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक और जनहित के कार्यों को नियमित रूप से आयोजित करने की घोषणा की। कार्यक्रम के अंत में प्रबंध संचालक श्री अनिल कुमार साहू ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

राज्य स्तरीय कूड़ो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को मिला स्वर्ण पदक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कूड़ो प्रतियोगिता दुर्ग जिले में आयोजित हुआ। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 40 खिलाड़ियों ने अलग-अलग वेट कैटिगरी में भाग लिया। प्रतियोगिता में 18 पुरुष एवं 22 महिला खिलाडियों ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण पदक, 7 रजत पदक और 13 कांस्य पदक जीत कर जिले का नाम रोशन किया। राज्य स्तरीय कूड़ो चैंपियनशिप में विजेता खिलाड़ी आगामी अक्टूबर माह में गुजरात मे होने वाले राष्ट्रीय कूड़ो चैंपियनशिप प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खेल छत्तीसगढ़ शासन और भारत सरकार से मान्यता प्राप्त खेल है। विजेता खिलाड़ियों शासन द्वारा नगद राशि प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। जिसमें बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न कटेगरी में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों विजेता प्रतिभागियों को

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। राज्य स्तरीय कूडो चैंपियनशिप में विजेता खिलाडियों को कूड़ो एसोसिएशन के अध्यक्ष ने भी बधाई दी।

नए शिक्षा सत्र से स्कूल खुलते ही छात्रों को पाठ्यपुस्तक, गणवेश और सायकल वितरण सुनिश्चित करें

सभी जिले में बनेगा मॉडल स्कूल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा होगी सुनिश्चितः शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव

रायपुर, 18 सितम्बर 2025

छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आज मंत्रालय, महानदी भवन में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी वर्षों की ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले, स्कूल शिक्षा सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, संचालक लोक शिक्षण श्री ऋतुराज रघुवंशी, एवं प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा श्री संजीव झा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नए शिक्षा सत्र से स्कूल खुलते ही छात्रों को पाठ्यपुस्तक, गणवेश और सायकल वितरण सुनिश्चित करें- बैठक में मंत्री श्री यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य के सभी जिलों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे। मॉडल स्कूल स्थापित करने योग्य स्कूलों की जानकारी 10 दिन में संचालनालय को प्रस्तुत की जाए। शिक्षा मंत्री ने कहा डीएवी, इग्नाइट और पीएम श्री विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने भवन विहीन और भवन की आवश्यकता वाले स्कूलों की संख्यात्मक जानकारी ली और अधिकारियों से कहा कि जहां भवन बनाना आवश्यक हो वहां प्राथमिकता से इस कार्य को करें। उन्होंने कहा कि डिस्मेन्टल योग्य भवनों की स्थिति का शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने लघु मरम्मत और शौचालय मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

नए शिक्षा सत्र से स्कूल खुलते ही छात्रों को पाठ्यपुस्तक, गणवेश और सायकल वितरण सुनिश्चित करें- मंत्री श्री यादव ने कहा कि नए शिक्षा सत्र शुरू होते ही निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश और सायकल का वितरण स्कूल खुलते ही विद्यार्थियों तक पहुँच जाना चाहिए। इसके लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएँ समय रहते पूरी कर ली जाएँ। श्री डीएन मिश्रा, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी रामानुजगंज-बलरामपुर को शासकीय कार्यों में लापरवाही करने के कारण निलंबित करने तथा मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जिला शिक्षा अधिकारी श्री आर.पी. मिरे को प्रशासनिक कार्यों में उदासीनता बरतने हेतु कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों को दिए।

नए शिक्षा सत्र से स्कूल खुलते ही छात्रों को पाठ्यपुस्तक, गणवेश और सायकल वितरण सुनिश्चित करें- मंत्री श्री यादव ने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए प्रारंभ से ही विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के बच्चों के प्रतिभा में कोई कमी नही है। उन्होंने विभाग के अंतर्गत न्यायालयीन प्रकरणों की अद्यतन जानकारी लेकर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्रीय छात्रवृत्ति योजना, विद्यार्थियों के बैंक खाते खोलने तथा उनके जाति प्रमाण पत्र आदि के संबंध में विशेष चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

नए शिक्षा सत्र से स्कूल खुलते ही छात्रों को पाठ्यपुस्तक, गणवेश और सायकल वितरण सुनिश्चित करें- पेंशन और वेतन निर्धारण के मामलों पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि किसी भी कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका और पास बुक नवंबर माह तक अपडेट कर ली जाए। मृतक कर्मचारियों के आश्रितों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर हितलाभ भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांग खिलाड़ियों के साहस और संघर्ष है मिसाल- मंत्री श्रीमती राजवाड़े

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज रायपुर सिविल लाइन स्थित शालेम इंग्लिश मीडियम स्कूल में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय व्हीलचेयर रग्बी प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुईं। मंत्री ने आयोजकों और प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि व्हीलचेयर रग्बी जैसे खेल दिव्यांग खिलाड़ियों के साहस और संघर्ष की प्रेरणादायी मिसाल हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय व्हीलचेयर रग्बी प्रतियोगिता के समापन समारोह में हुई शामिल- मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें खेल और अन्य गतिविधियों में प्रोत्साहित करने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं दिव्यांग खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश भी देती हैं। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय व्हीलचेयर रग्बी प्रतियोगिता के समापन समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि,खेलप्रेमी, खिलाड़ी, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी कट्टा-कारतूस के साथ गिरफ्तार

रायपुर। आमानाका थाना क्षेत्र के तेंदुआ इलाके में युवक अजय साहू पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लोहे का पाइप, देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

क्या है मामला?- 14 सितंबर की रात करीब 11 बजे अजय साहू अपने दोस्तों के साथ घूमने गया था। उसी दौरान तेंदुआ रामा टीएमटी के पास उसका कुछ युवकों से विवाद हो गया। झगड़े में आरोपियों ने देशी कट्टा निकालकर डराया और फिर लोहे के पाइप से अजय साहू के सिर पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल अजय को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस की कार्रवाई- वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और आमानाका पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और मुखबिर की मदद से आरोपियों की पहचान की गई।

पुलिस ने आरोपियों सोहेल राणा (18 वर्ष, निवासी हीरापुर ढांचा, थाना कबीरनगर) और दिलशाद अंसारी (21 वर्ष, निवासी धनेली, थाना विधानसभा) को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल कर लिया।

क्या बरामद हुआ?

लोहे का पाइप

1 देशी कट्टा

2 जिंदा कारतूस

मोटरसाइकिल

कौन-कौन रहे शामिल?- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी आमानाका निरीक्षक सुधांशु बघेल, प्रभारी निरीक्षक परेश पांडेय, सउनि फूलचंद भगत, प्र.आर. मार्तंड सिंह समेत एंटी क्राइम यूनिट और आमानाका थाने की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 109, 3(5) बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

रायपुर-राजिम मेमू पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारंभः यात्रियों को बड़ी सौगात

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से राजिम जाने वाले यात्रियों को अब ट्रेन सेवा की सौगात मिलने जा रही है। लंबे समय से प्रतीक्षित रायपुर-राजिम-रायपुर मेमू पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारंभ आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजिम रेलवे स्टेशन से किया।

यात्रियों को होगा बड़ा फायदा- इस नई मेमू ट्रेन सेवा से यात्रियों को सुगम, सुलभ और किफायती यात्रा का विकल्प मिलेगा। खासतौर पर ग्रामीण अंचलों से रायपुर आने-जाने वालों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा वर्ग और व्यापारियों को इससे सीधा लाभ होगा। साथ ही, छत्तीसगढ़ के प्रयाग कहे जाने वाले राजिम तक सीधी रेल पहुंच सुनिश्चित होने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सेवा का विस्तार- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अनुसार, फिलहाल रायपुर-अभनपुर के बीच चल रही मेमू ट्रेन को अब राजिम तक विस्तारित किया जा रहा है।

19 सितंबर 2025 से यह ट्रेन नियमित समय-सारणी के तहत गाड़ी संख्या 68766/68767 के रूप में प्रतिदिन रायपुर और राजिम दोनों ओर से संचालित होगी।

ट्रेन की संरचना

इस मेमू पैसेंजर ट्रेन में कुल 08 कोच होंगे, जिसमें 06 सामान्य श्रेणी के डिब्बे और 02 पावरकार शामिल हैं।

संपादकीय

विपक्ष में सुगबुगाहट होना लाजिमी

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के उपराष्ट्रपति का चुनाव जीत गए हैं। उनके पक्ष में 452 वोट पड़े। कुल 767 सांसद इस वोटिंग में शामिल हुए। 15 वोट अमान्य कर दिए गए। विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी थे, जिन्हें तीन सौ फर्स्ट प्रिफरेंस वोट मिले। राधाकृष्णन की जीत पहले से ही तय थी क्योंकि संख्या बल एनडीए के पक्ष में था। हालांकि क्रॉस वोटिंग का संदेह व्यक्त किया जा रहा था। उपचुनाव के लिए कुल 98.2त्न वोटिंग हुई। तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे हैं। 1974 में जनसंघ की कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। 1996 में तमिलनाडु भाजपा के सचिव बने। उसके बाद दो बार सांसद चुने गए पर कोयंबटूर से तीन बार हार का सामना भी किया। 2020-22 तक भाजपा केरल के चुनाव प्रभारी रहे। 2023 में झारखंड के राज्यपाल बनाए गए। फिर 2024 में उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया। जुलाई में तब के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अचानक स्वास्थ्यगत कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया था। साठ दिन के भीतर चुनाव कराना आवश्यक है। इसके लिए चुनाव आयोग निर्वाचन अधिकारी नियुक्त करता है, जो किसी सदन का महासचिव होता है। उपराष्ट्रपति का चुनाव परोक्ष होता है, जिसमें राज्य सभा और लोक सभा के सांसद शामिल होते हैं। मनोनीत सांसद भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं कर सकते। राधाकृष्णन को दक्षिण भारत में भाजपा के विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। विनम्र, मेधावी, मिलनसार और समाज सेवा को समर्पित राधाकृष्णन की तारीफ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कह चुके हैं कि उन्हें खेलों में गहरी रुचि है पर वे राजनीति में खेल नहीं खेलते। कपड़ा उद्योग के माहिर व्यवसायी राधाकृष्णन तमिलनाडु में हिन्दुत्व की विचारधारा का नेतृत्व करते रहे हैं। इसलिए विपक्ष में सुगबुगाहट होना लाजिमी है कि उनका झुकाव धर्म विशेष की तरफ हो सकता है। दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने को बेताब भाजपा के लिए यह दूर की कौड़ी भी साबित हो सकती है। हालांकि नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति के दामन पर किसी भी तरह के भ्रष्टाचार या पक्षपात जैसे आरोपों के छींटें नहीं हैं मगर कोयंबटूर में हुए सिलसिलेवार विस्फोटों को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। संवैधानिक पदों पर रह चुके सीपी राधाकृष्णन अपने पूर्ववर्ती से अधिक माहिर और पारदर्शी हो सकते हैं।

भारतीय हॉकी फिर ऊंचाइयों की तरफ बढ़ने तैयार

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय हॉकी टीम राजगीर में एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप होने से कुछ पहले तक उसे अच्छे प्रदर्शन के लिए याद नहीं किया जा रहा था। वैसे भी भारतीय टीम फाइनल जैसे महत्त्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नहीं जानी जाती है, लेकिन इस चैंपियनशिप के फाइनल में पिछली चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उससे लगने लगा है कि टीम फिर से ऊंचाइयों की तरफ बढ़ने के लिए तैयार है। भारत ने दक्षिण कोरिया पर 4-1 से जीत पाकर चौथी बार एशिया कप खिताब ही नहीं जीता बल्कि अगले साल अगस्त में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग में खराब प्रदर्शन के बाद यहां आई थी। इस लीग के आखिरी यूरोपीय चरण में भारत ने आठ में से सात मैच हारकर बेहद निराश कर दिया था। इस प्रदर्शन की वजह से टीम नौ टीमों की लीग में आठवें स्थान पर रही। वह रेलीगेट होने से एक स्थान से बच गई। इसकी वजह से पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक दिलाने वाले कोच क्रेग फुल्टोन की काबिलियत पर भी सवाल उठने लगे थे। एशिया कप में भारत के शुरुआती प्रदर्शन से स्थिति और बिगाड़ दी। इन प्रदर्शनों को देखने से भारत की क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जाने लगा, लेकिन भारत ने सुपर फोर में चीन के खिलाफ और फिर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से अपनी फिर से धमक बना दी। भारतीय कोच एफआईएच प्रो लीग में भारतीय प्रदर्शन के बारे में कहते हैं कि इसमें खेले तो अच्छा पर नतीजे अच्छे नहीं निकाल सके। फुलटोन ने कहा, 'हम एफआईएच प्रो लीग में खेले तो अच्छा पर परिणाम अच्छे नहीं निकाल सके। पर हमने इसके बाद खामियों पर काम किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हाल-फिलहाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।' सही मायनों में इस ऑस्ट्रेलियाई दौरे ने ही एशिया कप की सही तैयारी कराकर जीत में अहम भूमिका निभाई। अब इस प्रदर्शन के बाद देश के हॉकीप्रेमी फिर से उत्साहित हो गए हैं और उन्हें टीम पर भरोसा बन गया है कि हम फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झंडे गाड़ेंगे। भारत ने चीन हो या दक्षिण कोरिया दोनों के ही खिलाफ आक्रामक अंदाज में शुरुआत करके पहले कुछ मिनटों में गोल जमाकर खेल पर दबदबा बनाने की रणनीति अपनाई और यह रणनीति कारगर साबित हुई। हरमनप्रीत की अगुआई वाला डिफेंस हो या अभिषेक की अगुआई वाली अग्रिम पंक्ति बहुत दमदार नजर आई। हरमनप्रीत का हमलों में आगे तक जाना और अभिषेक का डिफेंस के समय सर्किल में रहना टीम की फिटनेस का बताता है। वहीं जर्मनप्रीत, हार्दिक सिंह की अगुआई वाली हाफ लाइन भी गेंद को लगातार आगे रखने में सक्षम नजर आई। भारतीय टीम यदि इसी तरह खेलती रही, तो बहुत संभव है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पदक का रंग बदल जाए और अगले साल विश्व कप में भारतीय टीम पोडियम पर चढ़ती नजर आए। भारतीय टीम इस चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करती नजर आई। आखिर में वह एक इकाई के तौर पर खेलती दिखी। क्रेग फुल्टोन के कोच के रूप में आने के बाद भारतीय टीम एरियल पासों का इस्तेमाल करने लगी है। आमतौर पर एशिया की टीमें एरियल पासों वाले खेल को कम ही खेलती दिखती रहीं हैं। पर भारतीय टीम का अब यह भी प्रमुख अस्त्र बन गया है। इस मामले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने महारत हासिल कर ली। उनके नपे-तुले स्कूपों पर कई बार प्रतिद्वंद्वी ठगे से नजर आए। दक्षिण कोरिया भी इस खूबी की वजह से मैच में अधिकांश समय बचाव करती नजर आई।

नेपाल-क्रांति, पहली महिला पीएम के समक्ष बड़ी चुनौतियाँ

विजय सहगल

नेपाल की ओली सरकार द्वारा अपने देश में सोशल मीडिया पर लगाए प्रतिबंध के फलस्वरूप, 8 सितंबर 2025 को नेपाल के युवाओं मे उपजी क्रोधाग्नि से नेपाल की संसद, सुप्रीम कोर्ट और अन्य अनेक सरकारी कार्यालयों और सरकार के प्रधान मंत्री सहित अन्य मंत्रियों के निजी निवास, व्यापारिक प्रतिष्ठान और अन्य अनेक संस्थान जल उठे। उनकी राह में आने वाली हर वो चीज आग की लपटों मे घिर गयी, फिर वो चाहें संसद मे रक्खे पेपर, दस्तावेज़ हों या फिर फर्नीचर, वाहन या दिखावटी सामान। आंदोलनकारी संसद से टेबल और कुर्सी तक लूट कर ले गये। आंदोलित युवाओं ने इसे जेन-ज़ी (ऐसी नेतृत्वकारी जेनरेशन, जिसका जन्म 1995 और 2010 के बीच हुआ हो) की क्रांति बतलाया। नेपाल की राजधानी काठमांडू सहित नेपाल के अनेक शहरों जैसे पोखरा, विराटनगर, धरान, दमक के आक्रोशित नौजवानों के इस स्वस्फूर्त आंदोलन ने पूरे नेपाल मे अराजकता, अव्यवस्था और अस्तव्यतस्ता की स्थिति उत्पन्न कर दी। ये ऐसे आंदोलनकारी युवा थे जो इंटरनेट के युग मे पले बढ़े थे और जिन्होने सोशल मीडिया से ही अपनी शिक्षा, पहचान, कारोबार और सामाजिक रिश्ते बनाये। आंदोलन के दौरान, हिंसा और आगजनी के शुरुआती दौर मे पुलिस बलों के लाठी और अश्रु गैस के बलप्रयोग से आंदोलन विस्तृत और व्यापक हो उठा। सेना की तैनाती के साथ कर्फ़्यू लगाना पड़ा। प्रदर्शनकारियों के हिंसक विरोध और अनियंत्रित भीड़ के चलते, देखते ही देखते गोली मारने के आदेश दिये गये। इस अप्रिय स्थिति मे 19 लोगों की मौत और तीन सौ से ज्यादा लोगों के घायल होने ने, आग मे घी का काम किया।

सूचना मंत्रालय में पंजीकरण न करवाने की बजह से 3 सितम्बर को नेपाल सरकार द्वारा सोशल मीडिया के मंच फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, युट्यूब, एक्स, और व्हाट्सप्प जैसे 26 सोशल मीडिया ऐप्प्स पर प्रतिबंध के चलते युवाओं की पढ़ाई-लिखाई और अन्य सूचना संचार के अभाव मे संवाद हीनता की स्थिति पैदा हो गयी, जिसने युवाओं को क्रोध, रोष और गुस्से से भर दिया। हॉस्पिटल मे पहुंचे हताहतों को देखकर डॉक्टर्स और अन्य नर्सिंग स्टाफ भी सकते मे आ गये जब उन्होने देखा कि मृत आंदोलनकारी युवाओं के सीने और सिर मे गोलियां लगी हैं। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की हठधर्मिता ने, नेपाल के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और अन्य गणमान्य, प्रभावशाली लोगों का सरकार को संयम बरतने के आग्रह को भी अनसुना कर दिया गया। सरकार और नौकरशाही मे व्याप्त भ्रष्टाचार का आलम ये था कि सरकार के मंत्रियों और उनके परिवार जनों तथा रिशतेदारों द्वारा विलासता पूर्ण जीवन शैली की घटनाओं ने, बेरोजगारी, मेहंगाई और कदम कदम पर भ्रष्टाचार से जूझ रहे नेपाल के युवाओं और आम नागरिकों को उद्वेलित और उत्तेजित कर दिया।

नेपाल लंबे वक्त से राजनैतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजा वाद जैसे नाजुक हालातों से गुजर रहा है। दुर्भाग्य देखिये कि 2008 मे इन्ही मुद्दों पर नेपाल की राजशाही को हटा कर लोकतान्त्रिक व्यवस्था को स्थापित किया था लेकिन सत्रह साल के लंबे काल खंड के बावजूद स्थितियाँ और परिस्थितियाँ जस के तस रहीं। नेपाल के भोले भाले लोगों की विडंबना पर दृष्टिपात करें तो उनकी आकांक्षा और अभिलाषाए आज भी मृग मरीचिका के समान उन से कोसों दूर प्रतीत होती हैं। वे आज तक राजशाही और लोकशाही के भ्रष्टाचार रूपी दो पाटों के बीच पिस रहे हैं अन्यथा क्या कारण थे कि 17 वर्षों के लोकतान्त्रिक व्यवस्था मे 14 सरकारें नेपाल की जन भावनाओं पर खरी नहीं उतरी।

आंदोलन कारी युवाओं की मांग है कि नेपाल सरकार द्वारा सभी प्रतिबंधित सोशल मीडिया मंचों से प्रतिबंध हटाये। भ्रष्टाचार के विरुद्ध समुचित कार्यवाही हो। युवाओं की आवाज सुनी जाएँ। लोकतन्त्र और अभिव्यक्ति की आज़ादी बहाल हो। युवाओं की मांग है कि बेहतर शिक्षा, रोजगार और सरकार मे पारदर्शिता हो जबकि सरकार का कहना था कि ये सोशल मीडिया बिना अनुमति चल रहे हैं, फ़र्ज़ी खातों के कारण अपराध बढ़ने और कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न और राष्ट्रीय सम्मान, सुरक्षा और समाज मे शांति, सौहार्द खतरे मे है। नेपाल के गृह मंत्री ने तो 8 सितम्बर को ही इस्तीफा दे दिया था। 9 सितम्बर को भी जारी रहे हिंसक प्रदर्शन के बीच मे आंदोलनकारी युवाओं की सोशल मीडिया से प्रतिबंध हटाने की मांग को मानने के बावजूद प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली सरकार के स्तीफ़े की मांग पर प्रदर्शनकारी डटे रहे। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री ओली और सेना की शांति और संयम बरतने की अपील का भी आंदोलनकारियों पर कोई असर नहीं हुआ। जब अनियंत्रित भीड़ प्रधानमंत्री के स्तीफ़े की मांग को लेकर उनके कार्यालय मे घुसी, तो हारकर प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री ओली, सौभाग्यशाली रहे कि सेना उन्हे बमुश्किल बचा कर हेलीकाप्टर से सुरक्षित स्थान पर ले गयी लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री, शेर बहादुर देऊबा को लहूलुहान कर मारपीट की तस्वीरे विचलित करने वाली थी। उन्मत्त भीड़ द्वारा वित्तमंत्री विष्णु पौडेल को सड़क पर दौड़ा दौड़ा कर पीटने के दृश्य खीझ पैदा कर रहे थे लेकिन एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री खाला नाथ खनल की पत्नी श्रीमती राज्यलक्ष्मी चित्रकार की उनके घर मे आगजनी से हुई मृत्यु दिल दहलाने वाली थी। सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए, हिंसक आंदोलन के दौरान नेपाल की राजधानी काठमांडू से आने व जाने वाली सभी हवाई उड़ाने रद्द कर दी गयी। मंगलवार को ही आंदोलनकारियों ने नेपाल कॉंग्रेस के दफ्तर और अन्य वामपंथी दलों के कार्यालयों मे भी आग लगा दी। कोटेश्वर मे तीन पुलिस अधिकारियों की बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी गयी।

जेन-ज़ी आंदोलन की पृष्ठभूमि शांतिपूर्ण प्रदर्शन की थी. यही कारण था कि पहले दिन सारे आंदोलनकारी अपनी स्कूल ड्रेस मे थे एवं अपने स्कूल बैग और किताबों के साथ आये थे। आंदोलन शांतिपूर्ण था पर अचानक हिंसक बारदातें शुरू हुई और पुलिस के हथियारों की लूट, जेल से खूंखार कैदियों का भागना, व्यापारिक संस्थानों मे लूटपाट और विश्वप्रसिद्ध पशुपति नाथ मंदिर मे तोड़ फोड़ के प्रयास इस बात की ओर इशारा करते हैं कि आंदोलन मे कुछ विध्वंसकारी और असामाजिक तत्वों की घुसपैठ से इंकार नहीं किया जा सकता।

नेपाल मे हुई हिंसक क्रांति और सत्ता परिवर्तन पर, यहाँ भारत मे, इंडि गठबंधन के कुछ नेता यहाँ भी इसी तरह के आंदोलन से मोदी सरकार को सत्ताच्युत कर सत्ता पाने के हसीन सपने देखने लगे जिसमे कॉंग्रेस के छुटभैये नेताओं और शिवसेना उद्धव गुट के संजय राऊत सबसे आगे थे। इन नेताओं ने पिछले दिनों, श्रीलंका, बांग्लादेश मे हुए सत्ता परिवर्तन के समय भी ऐसे ही उद्गार व्यक्त किए थे. शायद उनको इस भारतीय लोकोक्ति की जानकारी नही रही, कि कौआ के कोसे ढ़ोर नहीं मरते!! नेपाल मे भड़की हिंसा और अशांति के बीच भारत लगातार नेपाल के घटनाक्रम पर अपनी पैनी निगाह बनाए हुए है। भारत सरकार ने भी नेपाल के लोगों से शांति और सद्भाव से समाधान निकालने की अपील की है। इसी बीच भारत-नेपाल सीमा पर अलर्ट जारी किया है और सीमा सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चौकसी बरती जा रही है।

नेपाल के युवाओं के दो दिन के आंदोलन से ही, प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के इस्तीफे से हुए रिक्त स्थान की भरपाई हेतु सेना प्रमुख की अगुआई मे चली चर्चा मे जेन-ज़ी के नेतृत्व मे ही आपस मे फूट पड़ गयी और वे परस्पर ही लड़ाई झगड़े करने लगे। रैपर से काठमांडू के मेयर बने बालेन्द्र शाह, नेपाल सुप्रीम कोर्ट की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की और लाइट मेन के नाम से मशहूर कुलमान घीसिंग के बीच प्रधानमंत्री पद के लिए कड़ा मुक़ाबला हुआ और अंततः लंबी जद्दो-जेहद और विचार विमर्श के बाद, सर्वसम्मति से सुशीला कार्की के नाम पर आम सहमति बनी। 12 सितम्बर को शपथ ग्रहण के पश्चात उन्होने नेपाल मे छह माह के अंदर नई सरकार के लिये चुनाव करवाने की घोषणा की। दो दिन मे पूरे देश मे संसद, सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य सरकारी कार्यालयों मे हुई आगजनी और लूटपाट के बाद पूरे नेपाल मे युवाओं और नौजवानों की आकांक्षाओं और अभिलाषाओं को पूरा करते हुए नेपाल मे शांति कायम कर देश की कानून व्यवस्था को सामान्य बनाना, नई प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। समय की कसौटी पर वे कितनी कामयाब होंगी, ये आने वाला समय ही बताएगा।

राजनीतिक दलों को कार्यस्थल पर पॉश एक्ट, 2013 से प्राप्त वैधानिक छूट एक नैतिक विडंबना नहीं तो क्या?

कमलेश पांडेय

राजनीतिक दलों को महिलाओं की कार्यस्थल सुरक्षा संबंधी कानून प्रोटेक्शन ऑफ सेक्सुअल हरासमेंट एक्ट (पॉश एक्ट), 2013 से प्राप्त वैधानिक छूट किसी नैतिक विडंबना से कम नहीं है, चाहे इसका विधिक कारण कुछ भी हो! यह हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों की नैतिक लापरवाही या खामोशी दोनों का नतीजा है? ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह तर्क कि राजनीतिक दल और उनके सदस्यों के बीच पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी का संबंध नहीं होता है, किसी के गले नहीं उतरता है। यह अनुभव की व्यवहारिक कसौटी पर भी खरा नहीं उतरता है।

यह ठीक है कि उनके बीच पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी का सम्बन्ध नहीं होता, लेकिन दफ्तर और कार्यसंस्कृति दोनों होती है। यहां तक कि टूर के दौरान ठहरने वक्त नेताओं और महिला कार्यकर्ताओं का कमरा आसपास ही रखा जाता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि इससे राजनीतिक दलों व उनके नेताओं को कार्यकर्ताओं के शोषण का अंतहीन अधिकार मिल जाता है! खासकर, जब केंद्र और विभिन्न राज्यों की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस आदि दल किसी कॉरपोरेट शैली से संचालित होती हों, उनके जनसंपर्क यानी प्रचार-प्रसार व कार्यसंचालन का तरीका लगभग वही हो, जब निर्वाचित राजनेताओं के धन भी पांच वर्ष में ही दुगुने-तिगुने से ज्यादा बढ़ जाते हों, जब राजनेताओं व उनके करीबी संगठन के नेताओं पर महिलाओं के शारीरिक शोषण के अनेक आरोप लगते आए हों, वैसे परिदृश्य में सियासी दलों और सियासतदानों को प्राप्त विधिक छूट उनके गलत इरादों को लीगल प्रश्रय नहीं देना है तो क्या है, यक्ष प्रश्न है? भारत के अधिकांश लोगों को पता है कि देश की कानून निर्मात्री संस्था 'संसद', विधानसभा मंडलों में बैठे राजनेतागण खुद को 'अभिजात्य प्राणी' समझते हैं और खुद के फंसने वाला कानून कभी नहीं बनाते। वहीं, अपना सियासी हित साधने के लिए प्रायः द्विअर्थी कानून बनाते हैं। वाकई एक ही प्रवृति के विषयों में अस्पष्ट कानूनों की वजह से ही देश अमेरिका की भांति वकीलों का स्वर्ग बन चुका है। कोई भी नेता दो जगह से चुनाव लड़ सकता है, लेकिन दो जगहों की मतदाता सूची में नाम निकल जाने पर जानबूझकर बखेड़ा खड़ा किया जाता है। भूमि-भवन-स्वर्ण निवेश सम्बन्धी चीजों, शिक्षा-स्वास्थ्य-कारोबार आदि में अस्पष्ट कानूनों की वजह से निवेशक मालामाल और उपभोक्ता फटेहाल रहते हैं, आदि। सबसे बड़ी विडंबना तो यह कि निर्वाचित होते ही, अपराधी/दुष्कर्मी भी 'माननीय' करार दिए जाते हैं। यह स्थिति प्रशासनिक अधिकारियों व न्यायपालिका के लिए भी शर्मनाक है। साथ ही भारतीय बुद्धिजीवियों, सफल पेशेवर समूहों, विश्वविद्यालयों की पवित्र सोच पर करारा तमाचा है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि जब सुप्रीम कोर्ट आरक्षण सम्बन्धी कानून और वक्फबोर्ड कानून आदि में तो संशोधन करने का अधिकार रखता है, लेकिन नेताओं से जुड़े मामलों में उसकी बुद्धिमत्ता/प्रबुद्ध सोच को 'जंग' लग जाती है, सांप सूंघ जाता है जो वैधानिक 'सामाजिक टेटनस/मानसिक विष' जैसे 'जानलेवा रोगों' की वजह बन जाते हैं।

स्वाभाविक सवाल है कि हमारे राजनेता जेल से चुनाव लड़ सकते हैं, चुनाव प्रचार कर सकते हैं, अपनी सैलरी व भत्ता खुद ही बेहिसाब बढ़ा सकते हैं, राजनीतिक चंदा के लिए 'चोर दरवाजे' छोड़ सकते हैं, संसद के भीतर-बाहर कुछ भी अनाप-शनाप बोल सकते हैं, जिससे सामाजिक-राष्ट्रीय हितों पर चोट पहुंचती है, आदि। इनके कार्यकर्ता पाकिस्तान-बंगलादेश का झंडा लहरा सकते हैं, लेकिन इस पर कभी तर्कसंगत बहस नहीं होती! बेलगाम सोशल मीडिया इनका आधुनिक प्रचार हथियार बन चुका है। क्रिप्टो करेंसी इनके अवैध लेन-देन का साधन बन चुका है।लेकिन एक समान कानून की याद इन्हें कतई नहीं आती। इससे आम व्यवसायियों के कारोबारी हित भी प्रभावित होते हैं।

कोढ़ में खाज यह कि अब सुप्रीम कोर्ट भी मान चुका है कि राजनीतिक दलों में सदस्यता रोजगार जैसी नहीं है- इसमें न तो नियमित वेतन है और न ही संविदात्मक/नौकरी संबंधी अनुबंध। सवाल है कि कार्यकर्ता दिन-रात पार्टी की सेवा में लगे रहते हैं या नहीं? इनको मानदेय क्यों नहीं दिया जाता? क्या इसी वजह से ये प्रशासनिक या सामाजिक 'दलाली' करते हैं और किसी तरह निर्वाचित नेताओं के लोकल एजेंट बनकर अपना गुजारा करते हैं। क्या इसी वजह से भ्रष्टाचार, शिष्टाचार नहीं बन गया है? यह कौन नहीं जानता कि अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों/मंत्रियों के बीच दलाली करने वाले राजनीतिक कार्यकर्ताओं का ही नेटवर्क 'गर्म गोश्त' की भी दलाली करता है, इसलिए इन्हें भी पॉश एक्ट 2013 के दायरे में लाए जाने की जरूरत है। रहस्य न खुले, इसलिए इस धंधे में एक-दूसरे की जान लेना स्वाभाविक बात है! जिसे प्रशासनिक पहुंच के बल पर दबा दिया जाता है। बावजूद इसके कुछ मामले सुर्खियां बन जाते देखे-सुने जाते हैं। बताया जाता है कि पॉश (POSH) एक्ट की परिभाषा में वही संगठन आते हैं जहाँ रोजगार और भुगतान के आधार पर कर्मचारी और नियोक्ता के संबंध मौजूद हैं। चूंकि राजनीतिक पार्टी में कोई महिला कार्यकर्ता बनने का अर्थ 'नौकरी' पाना नहीं है, बल्कि यह केवल मेम्बरशिप का मामला है, जिसमें औपचारिक रोजगार संबंध स्पष्ट नहीं होता। ऐसे में राजनीतिक दलों के कार्य के दायरे (जैसे रैलियां, जनसंपर्क, अभियान आदि) को कानूनी तौर पर स्थायी कार्यालय या कार्यस्थल की तरह चिन्हित नहीं किया जा सकता- यह अत्यंत गतिशील और अस्थिर होते हैं। वहीं, चूंकि इस क़ानून के प्रभाव और विकल्प असरकारक हैं, इसलिए राजनीतिक दलों को मिला छूट इस कानून की सफलता पर संशय पैदा करता है। इस छूट के कारण यदि किसी महिला राजनीतिक कार्यकर्ता को उत्पीड़न का सामना करना पड़े तो वह पॉश एक्ट 2013 के तहत शिकायत नहीं कर सकती है। हालांकि वह भारतीय दंड संहिता (आईपीसी/IPC) या किसी अन्य आपराधिक कानून का उपयोग कर सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत किया है कि राजनीतिक दलों को पॉश एक्ट, 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति स्थापित करने की बाध्यता भी नहीं है। इसलिए स्वाभाविक सवाल है कि राजनीतिक दलों को यह छूट क्यों? क्या वही कानून बनाते-बनवाते हैं, सिर्फ इसलिए! हालांकि, अन्य देशों में कुछ वैकल्पिक उपाय भी उपलब्ध हैं, जिसका भारत में अनुशरण किया जाना चाहिए। जैसे-कुछ देशों में राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं के लिए आंतरिक आरक्षण या शिकायत व्यवस्था अपनाते हैं, किंतु भारत में कानूनी तौर पर ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। वहीं, राजनीतिक दलों को कार्यस्थल महिला सुरक्षा कानूनों से छूट कोर्ट द्वारा इसलिए दी गई है क्योंकि वहां पारंपरिक वेतनभोगी रोजगार संबंध नहीं पाया जाता और उनकी कार्यप्रणाली स्थायी दफ्तर जैसी नहीं होती। इसलिए स्वाभाविक सवाल यह है कि क्या यह एक बिडम्बनात्मक सोच व छूट नहीं है? इस पर देशव्यापी बहस खुद राजनीतिक महिला कार्यकर्ताओं के बीच ही करवायी जानी चाहिए।

बताते चलें कि पॉश एक्ट, 2013 ('कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और प्रतितोष अधिनियम') में 'नियोक्ता' और 'कर्मचारी' की परिभाषा स्पष्ट की गई है, जिसके तहत नियोक्ता की परिभाषा तय है। जैसा कि पॉश एक्ट की धारा 2(जी) में स्पष्ट किया हुआ है, 'नियोक्ता' वह व्यक्ति है जो किसी विभाग, संगठन, प्रतिष्ठान या कंपनी का प्रमुख हो या उसका प्रबंधन, पर्यवेक्षण या नियंत्रण करता हो। यानी संगठन का संचालन करने वाला कोई भी व्यक्ति 'नियोक्ता' माना जाता है। जबकि 'कर्मचारी' की परिभाषा भी व्यापक है- इसमें नियमित, अस्थायी, संविदा, प्रशिक्षु, स्वैच्छिक या एजेंसी के माध्यम से काम करने वाले सभी व्यक्ति आते हैं। वेतन, भत्ते या किसी अन्य प्रकार की पारिश्रमिक या बिना पारिश्रमिक के कार्यरत व्यक्ति भी 'कर्मचारी' की श्रेणी में आते हैं।

इस कानून की मुख्य बातें ये हैं कि 'नियोक्ता' और 'कर्मचारी' की परिभाषा संगठनात्मक संबंध और प्रबंधन के अधिकार से निर्धारित होती है न कि केवल वेतन या रोजगार अनुबंध से। वहीं, पॉश एक्ट, 2013 केवल उन्हीं संस्थाओं पर सीधे लागू होता है, जहाँ यह संबंध स्पष्ट रूप से मौजूद हो। इसप्रकार से पॉश एक्ट में 'नियोक्ता' संगठन के प्रमुख/प्रबंधक और 'कर्मचारी' उस संगठन में किसी भी रूप में (अस्थायी, स्थायी, संविदा आदि) कार्यरत व्यक्ति को कहा गया है। इससे स्पष्ट होता है कि महिलाओं के हित संरक्षण से जुड़े इस महत्वपूर्ण कानून पर भी राजनीतिक असर पड़ा है, जिसके दुरुपयोग के बावजूद भारतीय संविधान एक मजबूत, जीवंत और अनुकूल दस्तावेज़ है, जो आज भी देश की लोकतांत्रिक, न्यायिक और नैतिक नींव का मुख्य आधार बना हुआ है। इसलिए उम्मीद है कि यहां व्याख्या की जा रही नजरिए से भी अविलंब कानूनी संशोधन किए, करवाये जाएंगे।

कहना न होगा कि संविधान सर्वोच्च कानून है, जो विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण करता है और चेक-बैलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करता है। इससे कोई भी व्यक्ति या संस्था विधि से ऊपर नहीं हो सकती, जिससे राजनीतिक हस्तक्षेप के समय भी नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा होती है। जहां तक राजनीतिक दुरुपयोग और संस्थागत सुरक्षा का सवाल है तो संविधान की कुछ धाराओं (जैसे- अनुच्छेद 356) का ऐतिहासिक रूप से दुरुपयोग हुआ है; परंतु सुप्रीम कोर्ट के बोम्मई फैसले जैसे न्यायिक विराम ऐसे दुरुपयोग पर अंकुश लगाने में सफल रहे हैं, जिससे संविधान की संघीय संरचना सुरक्षित बनी रही है। हाल के वर्षों में भी देखा गया है कि सुप्रीम कोर्ट तथा अन्य संस्थाएं समय-समय पर संविधान के मूल उद्देश्यों की रक्षा के लिए सक्रिय रही हैं, भले ही राजनीतिक दल संविधान को अपने हित के हिसाब से इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। यह हमारे संविधान की अनुकूलनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्य हैं, जो सराहनीय है। संविधान में लचीलापन है, जिससे समयानुसार जनता की आवश्यकताओं, सामाजिक संतुलन और नये अधिकारों को संशिधनों के द्वारा सम्मिलित किया जा सकता है। वहीं, संविधान राष्ट्रीय एकता, अल्पसंख्यक सुरक्षा और सामाजिक समावेशन की नींव तैयार करता है, जिससे राजनीतिक उठापटक के बावजूद देश की बुनियादी संरचना अखंड रहती है। इसलिए पॉश एक्ट 2013 के दायरे में राजनीतिक दलों और इस जैसे संगठनों को भी लाये जाने की माकूल कानूनी पहल की जानी चाहिए। इससे महिलाओं के प्रति सुनियोजित आपराधिक सोच में कमी आएगी।

जहां तक संविधान, संसद और सुप्रीम कोर्ट के पक्ष में तर्क का सवाल है तो संविधान व इसके संरक्षक विधि के शासन, अधिकारों की सुरक्षा, तंत्र की पारदर्शिता और कार्यकारी संरचना को संतुलन देते हैं। न्यायपालिकाएँ और संस्थाएं संवैधानिक व्याख्या कर राजनीतिक हस्तक्षेप पर नियंत्रण रखती हैं। इसके लचीलेपन के चलते समय के साथ संविधान अपनी प्रयोजनशीलता व प्रासंगिकता बनाए रखने में सफल है। अतः, राजनीतिक दवाबों और अस्थाई तौर पर गलत इस्तेमाल के बावजूद, भारतीय संविधान अपनी मूल भावना, संतुलन और स्थायित्व बनाए रखने में सक्षम है- यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति और भारतीय लोकतंत्र का संरक्षण है।

पॉपकॉर्न से ज्यादा हेल्दी होता है जवार धानी

पॉपकॉर्न आखिर किसे पसंद नहीं होते? मूवी डेट हो या घर पर पार्टी इसका सेवन जरूर किया जाता है। मार्केट में मिलने वाले पॉपकॉर्न में प्रिजर्वेटिव्स ज्यादा होते हैं। ऐसे में इसके सेवन से आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसकी जगह आप जवार धानी का सेवन कर सकते हैं। यह एक प्रकार का साबुत अनाज है, जो पॉपकॉर्न की तरह दिखता है। यह पॉपकॉर्न से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसमें पोषक तत्व ज्यादा होते हैं। साथ ही, यह कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदा करता है।

ग्लूटन फ्री स्नैक्स

अगर आपको ग्लूटन वाली चीजों से एलर्जी है, तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। यह एक अच्छा ग्लूटन फ्री स्नैक्स है, जिसके सेवन से आपका पाचन भी स्वस्थ रहेगा।

वेट लॉस में मदद करे

जवार धानी में फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसके सेवन से आपको काफी देर तक भूख नहीं लगती है। इस कारण आप अगले मील में कम कैलोरी इंटेक करेंगे। साथ ही, आपको जल्द वजन घटाने में मदद मिलती है।

कई बीमारियों में फायदेमंद

अगर आपको डायबीटीज, हाइपरटेंशन या स्ट्रोक की समस्या है, तो यह आपके लिए अच्छा विकल्प है। इसमेंफाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो आपको स्वस्थ रखने में मदद करता है।

गट को हेल्दी बनाए रखे

खराब खानपान के कारण गट हेल्थ को नुकसान होता है। इससे पाचन क्रिया भी धीमी होती है, साथ ही गट इंफेक्शन का खतरा भी रहता है। ऐसे में जवार धानी बेहतरीन विकल्प है। यह जल्दी पच जाता है, साथ ही गट को हेल्दी रखने में मदद करता है।

मैग्नीशियम से भरपूर

जवार धानी में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और जोड़ों के दर्द से राहत देता है। महिलाओं में होने वाली मेनोपॉज की स्थिति में भी यह फायदेमंद है।

माइक्रोन्यूट्रिएंट से भरपूर

जवार धानी में माइक्रोन्यूट्रिएंट भी अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें जिंक, फास्फोरस, पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए गए हैं। यह शरीर में नए सेल्स और टिशूज बनाने में मदद करते हैं।

जवार धानी का सेवन करने का सही तरीका

- जवार धानी को आप घर पर पॉपकॉर्न बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यह स्वाद में भी काफी बेहतर होता है।
- जवार धानी को खिचड़ी या दलिया बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आपके लिए परफेक्ट ब्रेकफास्ट या डिनर ऑप्शन हो सकता है।
- जवार धानी से आप उपमा या सूप भी बना सकते हैं. रात में लाइट डिनर के लिए यह सही ऑप्शन है।
- अगर आप किसी स्वास्थ्य समस्या के लिए दवा लेते हैं, तो इसका सेवन एक्सपर्ट की सलाह पर ही करें।

मम्मी ब्रेन क्या होता है? कारण और लक्षण

प्रेग्नेंसी में कई महिलाओं में भावनात्मक बदलाव आते हैं। कुछ महिलाओं को मम्मी ब्रेन की समस्या हो जाती है।

मां बनना एक महिला के लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास होता है। मदरहुड जर्नी बेहद खूबसूरत होती है। हालांकि इस दौरान महिलाओं को कई तरह की मुश्किलें भी आती है। प्रेग्नेंसी से लेकर प्रसव के बाद तक महिलाओं की फिजिकल हेल्थ के साथ ही उनकी मेंटल हेल्थ पर भी असर पड़ता है। कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। कई महिलाएं तो प्रेगनेंसी ब्रेन या मम्मी ब्रेन की शिकार हो जाती हैं। आइए विस्तार से जानते हैं मम्मी ब्रेन के बारे में।

क्या होता है मम्मी ब्रेन?

प्रेग्नेंसी के दौरान और मां बनने के बाद कई सारे भावनात्मक बदलाव आते हैं। इस दौरान कई महिलाओं को भूलने की बीमारी हो जाती है। मां बनना शारीरिक, इम्यून फंक्शन और व्यवहार में नाटकीय बदलावों से जुड़ा होता है जो गर्भावस्था के दौरान शुरू होते हैं और प्रसव के बाद भी जारी रहते हैं। महिलाएं छोटी-छोटी बातें भूलने लगती हैं जैसे वह किचन में क्या काम करने के लिए गई थी उन्होंने अपना सेल फोन कहां रख दिया , वह किसे फोन लगाने वाली थीं, वगैरा-वगैरा... इस सिचुएशन को ही मम्मी ब्रेन के नाम से जाना जाता है। यह समस्या कुछ समय के लिए होती है और धीरे-धीरे आगे चलकर अपने आप ही ठीक हो जाती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक ऐसा गर्भावस्था के पहले तीन से चार महीने में होता है और यह गर्भावस्था के बाद तक बना रहता है।

मम्मी ब्रेन के लक्षण

- फोकस में कमी
- छोटी-छोटी चीजों को भूल जाना
- नींद पूरी न होना
- काम में मन न लगना
- तनाव और चिंता में होना
- हर समय थकान लगना

मम्मी ब्रेन से कैसे निपटें

- तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें।
- खुद के लिए थोड़ा वक्त निकालें।
- पर्याप्त नींद लें।
- बच्चों को संभालने में परेशानी हो रही है तो दूसरों की मदद लें।
- पौष्टिक आहार खाएं।
- घूमने फिरने जाएं।
- आपको जो एक्टिविटी पसंद है वही करें।
- तनाव होने पर अपनों से बात करें।

रोज सुबह खाली पेट पिएं यह आयुर्वेदिक चाय

अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। घर के मसालों से बनी यह आयुर्वेदिक चाय कई बीमारियों को दूर करती है। आज के समय में सेहतमंद रहना थोड़ा मुश्किल हो गया है। खान-पान की गलत आदतों, अनियमित जीवनशैली, बढ़ते तनाव और भी कई वजहों से लोग बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। हेल्दी रहने के लिए शरीर में कई विटामिन्स, मिनरल्स और अन्य न्यूट्रिएंट्स का सही लेवल में होना जरूरी है। इसके अलावा, शरीर में हार्मोन्स भी सही लेवल में होने चाहिए। कई बीमारियों से बचाव के देसी नुस्खे हमारे घरों में ही मौजूद हैं। अगर आप पेट की गैस, ब्लोटिंग, अपच, एक्ने या फिर पीरियड्स के दर्द से परेशान हैं, तो यह चाय खास आपके लिए है। इसके अलावा भी इस चाय के कई फायदे हैं।

जीरा, सौंफ और धनिये के बीजों की चाय के फायदे

- इससे ब्लोटिंग, इनडाइजेशन, जी मिचलाना, सिरदर्द और पीरियड्स में होने वाला दर्द कम होता है।
- अगर आपको खाना खाने के बाद पेट फूला हुआ महसूस होता है या फिर गैस बनती है, तो यह आपके लिए फायदेमंद है।
- शरीर में वात-पित्त-कफ का बैलेंस बनाकर यह चाय गट हेल्थ को भी सुधारती है।
- इस चाय में इस्तेमाल की जाने वाली तीनों चीजें वात को हरती हैं, यानी गैस को दूर करती हैं और पाचक रस को उत्तेजित करती हैं, डाइजेस्टिव फायर को जलाए रखने में मदद करती है, जिससे हम जो भी खाते है, वह सही से पच पाता है।
- इससे शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स भी दूर होते हैं और खाने से न्यूट्रिएंट्स सही तरह से हमारे शरीर में पहुंचते हैं।
- कई बार गैस के कारण खाना खाने के बाद उल्टी आती है, ऐसे में यह चाय आपकी मदद कर सकती है।
- लिवर और किडनी को डिटॉक्स करती है।
- शरीर में इंफ्लेमेशन को कम करती है और फैटी लिवर के पेशेंट्स के लिए अच्छी होती है।
- इससे गट हेल्दी रहता है और स्ट्रेस भी दूर होता है।
- ब्लड ग्लूकोज को बैलेंस करती है।
- भूख को बढ़ाती है।

कैसे बनाएं?

सामग्री

- जीरा- 1 टेबलस्पून
- धनिये के बीज- 1 टीस्पून
- सौंफ के बीज- 1 टेबलस्पून
- पानी- लगभग 2 गिलास

विधि

- सभी चीजों को पानी में डालें।
- इसे लगभग 7-10 मिनट तक उबालें।
- अब इसे छान लें।
- आपकी हेल्दी आयुर्वेदिक चाय तैयार है।

कब पिएं?

- इस चाय को खाली पेट पीना सबसे अच्छा माना जाता है।
- आप इसे खाना खाने के 1 घंटे बाद भी पी सकती हैं।

नोट- प्रेग्नेंसी के दौरान यह चाय नहीं पीना चाहिए क्योंकि सौंफ गर्भवती महिलाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा, अगर आपको कोई हेल्थ से जुड़ी समस्या है, तो इस चाय को शुरू करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

एरोबिक व्यायाम के साथ अपने दिल को स्वस्थ रखें

एरोबिक व्यायाम न केवल मजबूत हड्डियों के निर्माण, मांसपेशियों की ताकत, धीरज और लचीलेपन में सुधार करने के लिए फायदेमंद होते हैं, बल्कि हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक, मधुमेह और कुछ कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए भी फायदेमंद होते हैं। शोध से पता चलता है कि यह केवल छह महीनों में आपकी सोच और याददाश्त में सुधार कर सकता है। ऑर्थोपेडिक स्पोर्ट्स सर्जन वोंडा राइट, एमडी, एफएओओएस कहते हैं '' चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी और क्रॉस कंट्री कुछ लोकप्रिय एरोबिक गतिविधियां हैं। अपने एरोबिक व्यायाम से अधिक लाभ उठाने के लिए, लचीलापन और ताकत प्रशिक्षण अभ्यास को अपनी फिटनेस दिनचर्या में शामिल किया जाना चाहिए।''

'' अपने कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम को मजबूत करने के लिए, हर बार जब आप व्यायाम करते हैं तो अपनी लक्षित हृदय गति पर अपनी हृदय गति को 20 से 60 मिनट तक बढ़ाना महत्वपूर्ण है। अपने लक्षित हृदय गति पर व्यायाम करना सुनिश्चित करता है कि आपका शरीर लाभ प्राप्त करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा का प्रयोग कर रहा है। यह सटीक रूप से ट्रैक करने के लिए कि आपका शरीर कितनी मेहनत कर रहा है, अपनी लक्षित हृदय गति की गणना करें और प्रति मिनट धड़कन को ट्रैक करें। आपके लक्षित हृदय गति को निर्धारित करने के लिए एक सामान्य गणना आपकी आयु से 220 मिनियुस है।''डॉ राइट कहते हैं कि व्यायाम का एफआईटीटी सिद्धांत एरोबिक गतिविधि के लिए पालन करने के लिए एक प्रभावी दिशानिर्देश है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन एरोबिक गतिविधि में भाग लेने के दौरान चोट को खत्म करने के लिए इन सुरक्षा युक्तियों का सुझाव देते हैं। अपने डॉक्टर ने सलाह दी कि यदि आपकी मौजूद स्थिति, अधिक वजन वाले हैं, धूम्रपान करने वाले हैं या कुछ समय से सक्रिय नहीं हैं, तो एक नया व्यायाम दिनचर्या शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करें। वहीं हाइड्रेट और निर्जलीकरण के हल्के स्तर भी एथलेटिक प्रदर्शन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यदि आपके पास पर्याप्त तरल पदार्थ नहीं हैं, तो आपका शरीर पसीने और वाष्पीकरण के माध्यम से खुद को प्रभावी ढंग से ठंडा नहीं कर पाएगा।

अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें

हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं।

हृदय रोग से बचाव जैसे, हार्ट स्ट्रोक और हार्ट अटैक के खतरों को कम करने और कार्डियोवस्कुलर डिजीज से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने हृदय की जरूरतों के प्रति जागरूक रहें। इस बात की जरूरत सबसे अधिक उन लोगों को होती है जो सिटिंग जॉब में होते हैं। क्योंकि लगातार कई घंटे एक ही जगह पर बैठे रहने से दिल की सेहत पर काफी बुरा असर पड़ता है.

- आपको यह बात हैरान कर सकती है कि एक समय 55 प्लस की उम्र में होनेवाली कार्डियोवस्कुलर डिजीज आजकर 25 साल के युवाओं को भी अपनी चपेट में लेने लगी हैं। इतना ही नहीं हमारे देश में हार्ट अटैक के कुल मामलों में आधी संख्या उन लोगों की है, जिनकी उम्र 50 से कम है।
- इस आधी संख्या में भी 25 प्रतिशत लोग वो हैं जिनकी उम्र 40 साल से भी कम है। इन आंकड़ों से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि दिल की बीमारियां कितनी तेजी से हमारे समाज को बीमार बना रही हैं। खासतौर पर हमारे युवाओं को।
- अपने दैनिक जीवन में कुछ चुनिंदा बातों का ध्यान रखकर कई घंटों तक एक ही स्थान पर बैठकर काम करनेवाले लोग हार्ट को हेल्दी रख सकते हैं। इसके लिए आपको जो चीजें जानने की जरूरत है, उनके बारे में यहां बताया जा रहा है.

सीट पर बैठे हुए ही करें स्ट्रेचिंग

- घंटों की सिटिंग जॉब और लॉकडाउन के कारण डेली रूटीन में फिजिकल ऐक्टिविटीज करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में आप उन सूक्ष्म व्यायाम के बारे में अपनी जानकारी बढ़ाएं, जिन्हें आप काम के दौरान ही 2 से 3 मिनट का समय निकालकर बीच-बीच में कर सकें।
- ये सूक्ष्म व्यायाम आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन का सही स्तर बनाए रखने में सहायता करते हैं। इससे आपके हृदय की पंपिंग प्रक्रिया बाधित नहीं होती है और पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से बना रहता है।

भोजन में जरूरी हैं कुछ बदलाव

- सीटिंग जॉब वालों को अपनी डायट में कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। जैसे, कम मसालों का सेवन करें.
- यानी आपका भोजन बहुत अधिक स्पाइसी नहीं होना चाहिए।
- भोजन में डीप फ्राइड चीजों का उपयोग कम करें इनके स्थान पर फ्रूट सलाद, सब्जियों की सलाद, ड्राई फ्रूट्स और उबली हुई सब्जियों को शामिल करें।
- डिब्बाबंद फूड और पैक्ड रेडी टु ईट फूड्स से जितना हो सके दूर रहें। क्योंकि इनमें प्रिजर्वेटिव्स की भारी मात्रा होती है, साथ ही फैट भी अधिक होता है।

पर्याप्त नींद लें

- नींद लेना हमारी आंखों की सेहत के लिए ही नहीं बल्कि हमारे ब्रेन, हार्ट और पूरे शरीर की सेहत के लिए जरूरी है। क्योंकि जब हम सो रहे होते हैं तो हमारा शरीर डैमेज हुई सेल्स की रिपेयरिंग कर रहा होता है।
- ऐसे में जो लोग 7 से 8 घंटे की पूरी नींद नहीं लेते हैं, उनके शरीर में आंतरिक कमजोरी और बीमारियां पनपने की आशंका अधिक रहती है।

खुश रहना है जरूरी

- खुश रहने के लिए जरूरी है कि आप तनाव मुक्त रहें। क्योंकि हमारे दिल और दिमाग की ज्यादातर बीमारियों की वजह तनाव होता है। जिन परिस्थितियों को आप अपने अनुसार ढाल नहीं पा रहे हैं, बेहतर होगा कि आप उनके अनुसार खुद ढल जाएं।
- शांति और खुशहाली से जीवन जीने की यह एक कुंजी है। वैसे भी बेहतर है कि हम सभी एक स्वस्थ जिंदगी जी पाएं, जो खुशियों से भरी हो। क्योंकि तनावपूर्ण जिंदगी कितनी भी लंबी क्यों ना हो बोझिल ही होती है और कोई खुशी नहीं देती।

संक्षिप्त समाचार

जिला रोजगार कार्यालय में 23 सितम्बर को प्लेसमेंट कैंप का होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा/ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जांजगीर-चांपा द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 23 सितम्बर 2025 दिन मंगलवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, जांजगीर-चांपा लाईवलीहुड कॉलेज परिसर जॉजगीर में एक दिवसीय प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि शिविर में निजी क्षेत्र के दो नियोजक वेदांता स्कील स्कूल बाल्को कोरबा द्वारा सिलाई मशीन आपरेटर के 40 पद, फीटर 40 पद, वेल्डर 40 पद, होटल मेनेजमेंट के 40 पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। साथ ही श्रीराम लाईफइंश्योरेंश पाईवेट लिमि.चांपा द्वारा ब्रांच मैनेजर के 03 पद सहायक बॉच मैनजर के 05 पद, एवं ऑफिस एक्जीक्यूटिव के 05 पदों भर्ती की कार्यवाही की जावेगी। उक्त पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वी से स्नातक उत्तीर्ण निर्धारित किया गया है। कपनी द्वारा वेतनमान 13 हजार से 40 हजार रु. प्रतिमाह दिया जावेगा। ब्रांच मैनेजर पद हेतु अनुभवी को प्राथमिकता दी जावेगी। चयनित आवेदको का कार्यक्षेत्र कोरबा व जॉजगीर चांपा जिला रहेगा। प्लेसमेंट कैंप में भाग लेने वाले इच्छुक आवेदक अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ स्वयं उपस्थित होकर कैंप में भाग ले सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय जांजगीर-चांपा से भी संपर्क किया जा सकता है।

मसाल रैली का पोस्टर से कका कैसे गायब है

बिलासपुर (समय दर्शन)। कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट इन दोनों बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा में वोट अधिकार यात्रा के बिस्तर पर हैं उन्होंने रायगढ़ में उमेश पटेल की मंच से कांग्रेस की और उनके कार्य शैली को सराहा, पर चर्चा में आया दूसरा मुद्दा कोरबा से आगे रतनपुर तक जो बैनर पोस्टर लगे हैं उनसे भूपेश बघेल का चेहरा गायब है। कुछ ही दिन पूर्व रविंद्र चौबे पूर्व मंत्री का एक बयान विवादित हो गया था फिर उसे पर पानी डाला गया और फिर से सामूहिक नेतृत्व की बात मान ली गई पर उसे पर अमल होते नहीं दिखाई देता। यदि अमल हो रहा होता तो पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा ही कैसे गायब होता और विशेष बात कका का चेहरा अन्य क्षेत्र में गायब किया गया जहां सीएमडी का प्रभाव बताया जाता है।

दीदी बेटा आह कितने अपनात्व से खाई जा रही है रेत की दलाली

बिलासपुर (समय दर्शन)। समय दर्शन पामगढ़ विधायक और रेत माफिया रोशन के बातचीत के ऑडियो की कोई गारंटी नहीं लेते पर रेत की धंधे की सच्चाई पूरे छत्तीसगढ़ में यही है फिर चाहे मामला बिलासपुर का हो, शिवरीनारायण का, शिवनाथ, अरपा हो या महानदी हर जगह रेत का माफिया इसी तरह काम करता है। पूरी बातचीत में पामगढ़ की विधायक जिस तरह कलेक्टर और एसडीएम को दी जाने वाली रकम कह रही है उसे इतना तो पता चलता है कि जिस मुद्दे को लेकर भाजपा ने कांग्रेस सरकार को चुनाव में हराया वो सब यथा स्थान चल रही है। पामगढ़ की विधायक की बातचीत से लगता है कि करप्शन की और लेन-देन के तौर तरीकों से वह खानदानी रूप से जुड़ी हुई है और सौदे को बिगाड़ना देना नहीं चाहती। अपनी हिस्से से भी हिस्सा देने तैयार है और इस पूरे वार्तालाप में उसके बिलासपुर राजकिशोर वाले घर का जिक्र तो बड़ी बेबाकी से आया है। बबलू के कैरेक्टर को भी सब जानते हैं विधायक महोदया को पैसा लेने और देने का खासा अनुभव है। उनके शासकीय सेवा में रहे दिवंगत पतिदेव जब जेल में थे तो एक बिजोलिया को मोटी रकम चालान और जमानत के लिए दी गई काम नहीं हुआ तो ठगी का एहसास हुआ लिखित शिकायत की बात भी आई पर अंदर ही अंदर सेट हो गया। इतना ही नहीं ऐसी ही ठगी बिचौलिए ने कांग्रेस के एक और नेता कॉलेज संचालक के साथ भी की थी आरोप प्रत्यारोप, एफआईआर, रीट पीटीशन, अग्रिम जमानत के बाद क्या हुआ नहीं पता पर पामगढ़ विधायक और रेत माफिया के बीच पारिवारिक संबंध का एहसास ऑडियो से होता है। माफिया विधायक को दीदी बोलता है और विधायक माफिया को बेटा बोलती है। ईश्वर करे भ्रष्टाचार का खेल इसी तरह पवित्र संबंधों में चला रहे है।

पेंशनरों की मूलभूत समस्याओं के दिल्ली के जंतर मंतर में हुआ महा धरना

छग प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के 11पदाधिकारी हुए शामिल

प्रदेश अध्यक्ष आर के थवाईत ने भी छग के पेंशनरों की मांगों के बारे में अपनी बात रखी

जांजगीर// समय दर्शन/ अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के आवाह्न पर जंतर मंतर नई दिल्ली में आयोजित 17सितंबर 25 को एक दिवसीय महा धरना में छग प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ 5969 के प्रदेश अध्यक्ष आर के थवाईत, महामंत्री सुंदर सिंह ठाकुर, सचिव अशोसीक राठौर,अंबिकापुर संभाग से सर्व श्री पवनसाय , भुलन भगत, शिवचरन राम, श्री महंत शंकर, मंगलसायराम, लक्ष्मी प्रसाद निकुंज कर्मठ प्रतिनिधि शामिल हुए। अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन नई दिल्ली के सात सूत्री मांगों, में 01लोकसभा में पारित वित्त विधेयक वापिस लो,आठवें वेतन आयोग का गठन करो,02पुरानी पेंशन नीति लागू रहे,[illegible] वापिस लो 03,कोमूट की गई राशि को 11 वर्ष तक ही कटा जाय 04 रोका गया महंगाई भत्ता सभी राज्यों को दिया जाये 05, पैसठ और पचहत्तर वर्ष की उम्र के बाद वेतन वृद्धि 10 प्रतिशत व 20 प्रतिशत लागू की जाये 06 बिना शर्त मुफ्त इलाज का प्रबंध किया जाय व मासिक स्वास्थ्य भता 5000 रुपए दिया जाए।07 सेवानिवृत्त कर्मचारी को कम से कम बीस हजार रुपए पेंशन मिले ।अन्य मांगों में क्रमश: रेलवे व हवाई यात्रा में वरिष्ट नागरिकों को पहले की तरह रियायती किराया लागू किया जाए,मजदूर विरोधी श्रम कानून वापस हो,किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जाए।, जंतर मंतर नई दिल्ली के इस अखिल भारतीय महा धरना को छग प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष आर के थवाईत ने भी संबोधित किया । अखिल भारतीय महा धरना के दूसरे दिन दिनांक 18सितंबर 25 को राष्ट्रीय संगठन का सुकोमल सेन भवन फरीदाबाद में श्री सुरेंद्र चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्षअखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में छग प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष का संबोधन हुआ। छग प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के महामंत्री सुंदर सिंह ठाकुर प्रदेश महामंत्री ने बताया कि यह हमारे संगठन के साथ साथ छग के लिए गौरव की बात है कि छग प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री आर के थवाईत को भारत के राष्ट्रीय राजधानी मुख्यालय दिल्ली में अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन द्वारा आयोजित महा धरना एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेंद्र चौधरी द्वारा छग प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष को पेंशनरों की समस्याओं के बारे में अपनी बात रखने का अवसर दिया गया।

शहीद वीर अहीरों का अपमान नहीं सहेगा यादव समाज : हरीश यादव

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सर्व यादव समाज ने फिल्म निर्माता-निर्देशक फरहान अख्तर द्वारा बनाई गई फिल्म 120 वीर बहादुर का विरोध करते हुए आज राज्यपाल के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। यादव समाज का आरोप है कि फिल्म में 1962 के रेजंगला युद्ध में शहीद हुए वीर अहीरों के शौर्य और बलिदान को नजरअंदाज किया गया है।

ज्ञात हो कि वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़े गए रेज़ंगला युद्ध में कुंमाऊँ रेजीमेंट के 120 जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति प्राप्त की थी। इन 120 में से 117 जवान अहीर समुदाय से थे। सर्व यादव समाज का कहना है कि फिल्म के नाम और प्रचार सामग्री में इस ऐतिहासिक सच्चाई को नजरअंदाज कर वीर शहीदों का अपमान किया गया है।

प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश यादव ने कहा कि श्जब युद्ध में 117 अहीर शहीद हुए थे, तो फिल्म का नाम 120 वीर बहादुर क्यों रखा गया? फिल्म का नाम 120 वीर अहीर बहादुर होना चाहिए, ताकि शहीदों को उनका सही सम्मान मिल सके। इतिहास को छुपाना और तोड़-मरोड़ कर पेश करना न केवल अपमान है, बल्कि अहीर समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ भी है।

यादव समाज ने मांग की है कि फिल्म के नाम में संशोधन कर वीर अहीरों को उचित सम्मान दिया जाए और साथ ही अहीर रेजिमेंट की स्थापना की जाए। समाज का कहना है कि यदि फिल्म में बदलाव नहीं किया गया और उसे सिनेमा घरों में प्रदर्शित किया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

जिला प्रचार-प्रसार प्रभारी दुर्गा प्रसाद यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में ज्ञापन सौंपे जाएंगे और अन्य राज्यों में भी समाज के पदाधिकारियों द्वारा विरोध दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शासन-प्रशासन ने इस मामले में समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की, तो व्यापक प्रदर्शन और उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान महेश यादव, अमन यादव, लव यादव, दिग्विजय यादव, भैरव यादव, विक्रांत यादव, अखिलेश यादव, प्रशांत यादव, रजिव यादव, चंद्रेश यादव सहित बड़ी संख्या में यादव समाज के सदस्य उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की आवास निर्माण (ग्रामीण) अंतर्गत प्रगति की समीक्षा

अप्रारंभ और प्रगतिरत आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं - कलेक्टर

मुंगेली(समय दर्शन) प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले में प्रगतिरत एवं अप्रारंभ आवासों की प्रगति की समीक्षा की। जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने जिले में सभी प्रगतिरत एवं अप्रारंभ आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद हितग्राहियों को शीघ्र आवास उपलब्ध कराना है, इसलिए किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। कलेक्टर ने आवास कार्य में बेहतरीन एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित करने की बात कही। उन्होंने आवास निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने, गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने तथा निर्माण में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने हितग्राहियों को समय पर जानकारी और सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि उन्हें योजना का लाभ पूर्ण रूप से मिल सके। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्रवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा और धीमी प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में जनपद पंचायतों के सीईओ, ब्लॉक समन्वयक जनपद पंचायत, तकनीकी सहायक एवं आवास मित्र सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन: मूंगफली फसल पर कृषक प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण सम्पन्न

मुंगेली(समय दर्शन) तिलहन फसलों का रकबा, उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के विशेष तिलहन घटक के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा विकासखण्ड मुंगेली के ग्राम रेहुंटा में मूंगफली फसल पर समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, कृषक प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कृषकों को योजनांतर्गत उन्नत किस्म का बीज वितरित कर मूंगफली की वैज्ञानिक खेती की तकनीकों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण सत्र में विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया।

पादप रोग विज्ञान के विषय विशेषज्ञ एस.के. लहरे ने भूमि एवं जलवायु की उपयुक्तता, बीजोपचार तथा रोग प्रबंधन पर जानकारी दी। उद्यानिकी के विषय विशेषज्ञ डा. प्रमिला जोगी ने तेल वाली किस्मों एवं उनके उत्पादन की नवीनतम तकनीकों पर प्रकाश डाला। विषय विशेषज्ञ, कृषि प्रसार श्रीमती नेहा लहरे ने मिट्टी परीक्षण, बीज बोवाई का उचित समय, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, निंदाई-गुड़ाई, खरपतवार नियंत्रण, कीट-व्याधि प्रबंधन एवं फसल कटाई संबंधी विस्तृत जानकारी साझा की। प्रशिक्षण के उपरांत कृषकों को प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्हें मूंगफली फसल में किए जाने वाले सभी आवश्यक क्रियाकलापों का व्यावहारिक प्रदर्शन कराया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत रेहुंटा के सरपंच मनोज पाटले, सचिव धनसाय चतुर्वेदी, कृषक मित्र चंद्रशेखर कुर्रे सहित बड़ी संख्या में कृषक मौजूद रहे।

एलआईसी का महाकुंभ बालोद में संपन्न: उत्कृष्ट अभिकर्ताओं का सम्मान, नई कार्यकारिणी ने संभाली जिम्मेदारी

बालोद (समय दर्शन)। भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) अभिकर्ता संघ, दल्लीराजहरा (लियाफी) द्वारा मंगलवार को बालोद के अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट में उत्कृष्ट अभिकर्ता सम्मान समारोह एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलेभर से सैकड़ों अभिकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में गैलेक्सी क्लब, [illegible], MDRT और शतकवीर जैसी उपलब्धियां हासिल करने वाले एजेंटों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने जीवन बीमा क्षेत्र में अपने असाधारण प्रदर्शन से पहचान बनाई है।

कार्यक्रम में लियाफी, दल्लीराजहरा शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण भी हुआ। इस दौरान सियाद राम सपहा ने अध्यक्ष, कुंजलाल साहू ने सचिव और संजय यादव ने कोषाध्यक्ष का पदभार के सहित पूरी टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर मौजूद लियाफी के ज़ोनल प्रेसिडेंट मोहम्मद सईद खान ने जोशीले अंदाज में कहा कि हमें जीत या हार नहीं चाहिए, जीवन के लिए परिवार चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अभिकर्ताओं के अधिकारों के लिए चल रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि 5 वर्ष से अधिक सेवा वाले अभिकर्ताओं के लिए 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, निचले स्तर के अभिकर्ताओं को ग्रुप ग्रेच्युटी का लाभ, ग्रुप टर्म इंश्योरेंस की सीमा 15 से बढ़ाकर 20 लाख करने और त्योहारों पर ब्याज मुक्त एडवांस दिलाने की दिशा में पहल हो रही है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अब अभिकर्ता बीमा सुरक्षा योजना में दुर्घटना के साथ सामान्य मृत्यु का लाभ भी शामिल कर लिया गया है। रायपुर मंडल सचिव सतीश शर्मा ने अपने संबोधन में अभिकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि रायपुर मंडल के एजेंट अपनी मेहनत और एकजुटता के लिए पूरे प्रदेश में जाने जाते हैं और यही एकता उनकी सबसे बड़ी ताकत है। इस अवसर पर संरक्षक संजय सोनबोईर ने अब तक लियाफी दल्ली राजहरा द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की एवं नव नियुक्त पदाधिकारी को बधाई के साथ संगठन को मजबूत बनाने की बात कही नवनियुक्त अध्यक्ष सियाद राम सपहा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और पारदर्शिता से निभाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी नई टीम हर अभिकर्ता की समस्या को प्राथमिकता से सुनेगी और वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में उनके कल्याण के लिए काम करेगी।कार्यक्रम का संचालन अजीज साहू एवं किशोर कराडे के द्वारा किया गया आभार प्रदर्शन संजय यादव जी के द्वारा किया गया इस भव्य आयोजन में निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप साहू, , द्वारिका प्रसाद साहू, कौशलमलागार, धनेशसाहू, संजय ठाकुर, यूनटराज, बृजलालमहतो ,राजभोज, रोहित धनकर, प्रेमशंकर, सजल राय, ऋषि साहू ,धर्मेंद्र वर्मा, राजेंद्र सिन्हा, भारत साहू, उपेन्द्र साहू,राकेश हीरा साहू ,आत्माराम साहू, हेमाराम तेलासी, सहित बड़ी संख्या में अभिकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रभारी प्रधान पाठक ने ली शिक्षक-शिक्षिकाओं की बैठक दी जानकारी

बिर्रा //समय दर्शन //-विकासखंड बम्हनीडीह संकुल सेमरिया के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया के प्रभारी प्रधान पाठक उमेश कुमार दुबे ने विद्यार्थियों की नींव मजबूत करने व शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शासकीय प्राथमिक पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया के शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यक बैठक कर आपसी चर्चा उपरांत जानकारी दी कि नई शिक्षा नीति 2020 लागू होने से पाठ्यक्रम बदल गये हैं।नये पाठ्यक्रम को बेहतर करने के लिए सूक्ष्मता से समझकर इसका लाभ बच्चों तक पहुंचाया जा सके।

नवीन पाठ्यक्रम की विशेषताएं - दुबे ने कहा कि पाठ को गतिविधियां आधारित, आकर्षक मनोरंजक, चित्रित, समझ आधारित, अनुप्रयोग, चर्चा परिचर्चा,विश्लेषण अन्वेषण सरलता से किया जा सके। जिससे आवश्यक कौशलों की प्राप्ति हो सकेगी।

पाठ्यक्रम नया है - दुबे ने कहा कि नये पाठ्यक्रम में खेल खेल में शिक्षा,शारीरिक शिक्षा,कला शिक्षा,योग शिक्षा,नैतिक शिक्षा,पर्यावरण शिक्षा,भाषा शिक्षा,गणितीय खेल को शामिल किया गया है।

जिसको विद्यालयों में बेहतरीन ढंग से सिखाया जाए।सुनना,बोलना पढ़ना, लिखना,तर्क करना,सोचना, समझना,प्रश्न करना,उत्तर देना आदि कौशलों की प्राप्ति कराया जा रहा है।

नियमित अभ्यास - दुबे ने कहा कि सभी कक्षाओं के बच्चों को सिखाने के लिए अभ्यास के साथ पढ़ाया जाना।नियमित अभ्यास करवाना।कठिन लग रहे चरण पर फोकस करना।

बच्चों में समझ का विकास करना।बच्चों को सही शिक्षण विधि व अलग-अलग शिक्षण विधि/तकनीक से पढ़ाना।

बच्चों का बेहतर मार्गदर्शन करना।सभी बच्चों की जिम्मेदारी लेना।सभी बच्चों पर फोकस करना।बच्चों के स्तर आधारित प्रश्न करना व प्रश्न देना।बच्चों के स्तर को बढ़ाना।बच्चों में उत्साह बनाए रखना।सतत् प्रयास व सतत मूल्यांकन करना।बच्चों की शिक्षा स्तर की वास्तविक स्थिति से पालकों को अवगत कराया जाना।अध्याय/इकाई के किसी पाठ को दोहराया जाना।दीवार या ड्राइंग शीट पर गणित के सूत्रों को लिखकर चस्पा करना।बच्चों को प्रोजेक्ट कार्य देना।बच्चों को असाइनमेंट लिखने को देना आवश्यक है।

परीक्षा का आयोजन - विद्यालय में सभी कक्षाओं के बच्चों के लिए परीक्षा में पास होने के लिए प्री तैयारी कराना।जैसे तिमाही,छमाही, वार्षिक परीक्षा का साथ ही नियमित रूप से इकाई परीक्षा या मासिक आकलन होना व सही ढंग से इसका जांच होना।इस अवसर पर उमेश कुमार दुबे,एकादशियां मांझी,पितांबर प्रसाद कश्यप, टीकाराम गोपालन,कैलाश खूटे,अनुपमा जांगड़े,कौशल यादव उपस्थित थे।

खबर-खास

आदि कर्म योगी अभियान अंतर्गत क्लस्टर स्तरीय प्रशिक्षण किया जा रहा आयोजित

गरियाबंद। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनजातीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जमीनी स्तर पर नेतृत्व तैयार करने के उद्देश्य संचालित आदि कर्मयोगी अभियान के सुचारू क्रियान्वयन हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण उपरांत 15 से 18 सितम्बर 2025 तक प्रत्येक क्लस्टर में एकदिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसी तारतम्य में कलेक्टर बी एस उईके छुरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत कनसिंघी में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल हुए। इस दौरान एसडीएम छुरा रिशा ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारी कर्मचारियों सहित ग्रामीणों की भी उपस्थित रही। प्रशिक्षण में आदि कर्मयोगी अभियान के कार्य योजना एवं योजनाओं के सैचुरेशन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में कलेक्टर श्री उइके ने अधिकारी कर्मचारियों को गंभीरता पूर्वक ट्रेनिंग आयोजित कर योजना की जानकारी लोगों को देने के निर्देश दिए। साथ ही योजना के संबंध में सभी गतिविधियों से लोगों को अवगत कराने को कहा। उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र के लोगों को शत प्रतिशत योजनाओं से लाभान्वित करने आदि कर्म योगी अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्लस्टर स्तरीय प्रशिक्षण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों की भागीदारिता सुनिश्चित की जा रही हैं।प्रशिक्षण में ग्राम विकास कार्ययोजना,गैप चिन्हांकन एवं योजना संतृप्तिकरण के बारे में जानकारी दी जा रही है। इसमें विकासखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स एवं सहयोगियों तथा प्रेरक संस्थान (एनजीओ) के साथ समन्वय स्थापित कर प्रशिक्षण कराया जा रहा है। चिन्हांकित एनजीओ (प्रेरक संस्थान) के साथ समन्वय कर ग्राम विकास की योजना तैयार कर रहे है। साथ ही आदि सेवा केन्द्र संचालन संबंधी आवश्यक जानकारी दी जा रही है।

बच्चे, जवान और वरिष्ठ नागरिकों ने मैराथन में लिया हिस्सा

रिसाली (समय दर्शन)। स्वच्छता को लेकर मैराथन का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे शुरू हुए दौड़ में सरकारी स्कूल के बच्चें, योग लंगर परिवार के सद्स्य और बड़ी संख्या में नागरिकों व जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने हरी झंडी दिखाई। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में मैराथन दौड़ का आयोजन किया। रिसाली निगम के द्वारा कराए गए मैराथन में निगम क्षेत्र के 500 से ज्यादा लोगों ने दौड़ लगाई। दौड़ में रिसाली को स्वच्छ बनाने के नारे भी लगाए। दौड़ के पहले निगम आयुक्त ने समाज सेवी, समाजिक संगठन और स्वयं सेवी संस्थाओं से परिचय लिया। मैराथन को हरी झंडी दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, सभापति केशव बंछोर, नेताप्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर, पार्षद सीमा साहू, शीला नारखेड़े, सविता ढवस, सरिता देवांगन, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत, ममता सिन्हा, अनुप डे मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल, अजीत चैधरी आदि उपस्थित थे।

सामाजिक एकता से मजबूत होती हैं समाज की जडें - डॉ नीरेन्द्र साहू

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रदेश साहू संघ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ नीरेन्द्र साहू का प्रथम कवर्धा आगमन पर जिला साहू संघ ने भव्य रूप से स्वागत एवं अभिनंदन किया। विशाल बाइक एवं कार रैली के साथ प्रमुख मार्ग से होते हुए साहू छात्रावास में मॉ कर्मा की पूजन आराधना किया गया। इसके बाद पीजी कॉलेज में सामाजिक सम्मेलन हुआ।

अध्यक्ष डॉ साहू के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश साहू, तिलक साहू, श्रीमती साधना साहू संगठन सचिव, सुनील साहू, चंद्रवती साहू संयुक्त सचिव एवं प्रदीप साहू के स्वागत में जिला साहू संघ के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष खिलेश्वर साहू के नेतृत्व में विशाल बाइक रैली निकाली गई। जिसमें हजारो की संख्या में युवाओ एवं महिलाओं ने मॉ कर्मा की जयकारा लगाते हुए आगे बढे। रायपुर रोड नहर पार से प्रारंभ कर पीजी कॉलेज में रैली का समापन किया गया। पीजी कॉलेज आडिटोरियम में कार्यक्रम का प्रारंभ मॉ कर्मा की पूजन आराधना के बाद प्रारंभ की गई।

कार्यक्रम में डॉ सियाराम साहू कार्य अध्यक्ष, राष्ट्रीय तैलिक महासभा नई दिल्ली, विष्णु साहू पूर्व कार्य प्रदेश अध्यक्ष, संरक्षक घुरूवाराम साहू, शीतल साहू, भोलाराम साहू, जिलाध्यक्ष पतिराम साहू, ईश्वरी साहू अध्यक्ष, जिला पंचायत, उपाध्यक्ष घनश्याम साहू, रमेश साहू, उदेराम साहू, मानसिंह साहू, डॉ खेमराज साहू, बालाराम साहू, मनीराम साहू, धर्मराज साहू, अशोक गोलू साहू महामंत्री, खिलेश्वर साहू अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, कृष्णा साहू महामंत्री युवा, श्रीमती राजकुमारी साहू अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, श्रीमती नंदनी साहू अध्यक्ष जनपद पंचायत पंडरिया, घनश्याम साहू अध्यक्ष कर्मा सेना, धर्मराज साहू, राधेश्याम साहू, दशरथ साहू, मीलू साहू, गजपाल साहू तहसील अध्यक्षगण, पदमनी साहू, उत्तरा साहू, निशा साहू, विद्या साहू, खिलेश्वरी साहू, संतोष साहू, दीपा साहू, मनीषा अनिल साहू, सीमा साहू, संतोषी साहू, अंजनी साहू जनपद सदस्य के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

प्रदेष अध्यक्ष डॉ साहू ने कहा कि समाज में एकता बहुत जरूरी है। समाज की एकजुटता और ताकत दिखती है। हमारे समाज द्वारा बनाए गए नियमों का पालन ग्रामीण स्तर से हो। वर्तमान में सभी संपन्न ग्रामीण अध्यक्ष की नियुक्ति पर बधाई और शुभकामनाएँ प्रेंषित की। उन्होने ने कहा कि हमारे बडे बुजुर्गो को नई पीढी को प्रेम और आपसी भाईचारे की शिक्षा बचपन से ही देनी होगी। समाज को एकजुटता करना और पारस्परिक भेदभाव को समाप्त करना है यह कार्य सामूहिक रूप से ही संभव है। लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। समाज में एकता और समरसता का भाव तभी पैदा होगा जब समाज के सभी लोग शिक्षित होने के साथ जागरूक होंगे।

डॉ सियाराम साहू ने कहा कि कवर्धा के साहू समाज संगठित और सामजस्य बनाने में हमेशा एक कदम आगे है। समाज के द्वारा बहुत से प्रेरणादायी कार्य किया जा रहा है जो अन्य लोगों के लिए अनुकरणीय है। उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश साहू सहित अतिथियों ने संबोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन धर्मराज साहू महामंत्री के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हजारो की संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

एनएचएम कर्मचारियों का आंदोलन 32 वां दिन भी जारी

रायपुर के जेल भरो आंदोलन में हुए शामिल।

कवर्धा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ का निश्चित कालीन आंदोलन और भी उग्र हो गया है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित आदेश जारी नहीं हो जाता, तब तक वह अपना विरोध जारी रखेंगे। कर्मचारियों का कहना है कि विधानसभा चुनाव के दौरान सरकार ने कई वादे किए थे जिन्हें मोदी की गारंटी के रूप में प्रचारित किया गया था इन बातों को पूरा न किए जाने से कर्मचारियों में भारी नाराजगी है।

संघ का दावा है कि 170 से ज्यादा बार ज्ञापन देने के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसी के चलते 18 अगस्त से प्रदेश के 33 जिलों में लगभग 16000 से ज्यादा कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। आज जेल भरो आंदोलन में कवर्धा से 210 कर्मचारी रायपुर के तूता धरना स्थल पर शामिल हुए।

आज की हड़ताल में शशिकांत शर्मा, जेम्स जॉन, प्रदीप सिंह ठाकुर, सौरभ तिवारी, रूपेश साहू, गेमेश चौधरी, विनिष जॉय, जयंत कुमार, दुर्गेश गुप्ता, डॉ.चंचला, डॉ. मुकुंद राव, डॉ. मुकेश खूंटे, डॉ. निलेश चंद्रवंशी, डॉ. गौरव बघेल, डॉ.ममता ठाकुर, डॉ.दीपक ध्रुव, भूपेंद्र भास्कर, राजेश्वरी गुप्ता, आनंद दास महंत, हेमराज ठाकुर, राधेश्याम, शैलेन्द्र केशरवानी, रवींद्र कौशिक, जग राठौर, धुर्वा साहू, शैलेन्द्र देवांगन, छवि साहू, भाविका चंद्रवशी, नेहा ठाकुर, महेंद्र चंद्रवंशी, टीकाराम चंद्रवंशी, विनीता पिसदा, अविनाश, नितिन सोनी, गौरव सोनी, राजेश साहू, शैलेश पाण्डेय, दीपेश, राहुल पाठक, धीरज मोहबिया, विनोद चंद्रवंशी, नेहरू, विजय कश्यप, मीना, विशोक, रामबिहारी यादव, सागर, वीर सिंह साहू आदि सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाएं ठप्प आम जनता परेशान- इस अनिश्चितकालीन हड़ताल से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से ठप्प हो गई हैं, जिससे आम जनता को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री के उस दावे को कर्मचारियों ने भ्रामक बताया जिसमें उन्होंने कहा था कि पांच मांगे पूरी हो गई हैं। कर्मचारियों ने मंत्री से लिखित आदेश जारी करने की मांग की है।

प्रमुख मांगे और सरकार पर आरोप- कर्मचारियों की मुख्य मांगों में नियमितीकरण, ग्रेड पे निर्धारण लंबित 27: वेतन वृद्धि, अनुकंपा नियुक्ति, और अन्य 10 सूत्री मांगे शामिल है संघ के पदाधिकारी ने बताया कि हम अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं और सरकार का दमनकारी रवैया हमें डरा नहीं सकता उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगे जल्द पूरी नहीं हुई आंदोलन और उग्र होगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

नोटिस और बर्खास्तगी के बाद भी उत्साह में कोई कमी नहीं- हड़ताल में शामिल सभी कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य सचिव का पत्र आया है कि कर्मचारी ड्यूटी ज्वाइन करें नहीं तो अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश आया है फ़िर भी हड़ताली कर्मचारियों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। कर्मचारियों का कहना है कि हड़ताल हमारा शौक नहीं है। हम मजबूर होकर हड़ताल कर रहे हैं। घोषणा पत्र के अध्यक्ष सांसद विजय बघेल ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि कर्मचारियों की मांग जायज है। हमने घोषणा पत्र में वादा किया था इस पर सांसद ने मंत्री से मांग के संबंध में पत्र और वार्ता के लिए कहा है कि मैं स्वयं इस बारे में मुख्यमंत्री से चर्चा करूंगा।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत ब्लाक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। शासकीय हाई स्कूल नहर गांव में जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर,जिला परियोजना अधिकारी बुद्धविलास सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती मां के पूजन वंदन से विकासखण्ड स्त्रोत्र समन्वयक छन्नू लाल सिन्हा के मुख्य अतिथि में किया गया।जिसमें गरियाबंद ब्लॉक से लगभग 15 स्कूलों के प्रतिभावान बच्चों ने अपनी भागीदारी दिया।कार्यक्रम के मुख्य रूप से जिला नोडल ज्ञानेंद्र शर्मा प्रदीप यादव ब्लॉक नोडल अधिकारी जितेंद्र साहू संध्या ठाकुर महिमा तिर्की केशव कौशिक बालमुकुंद कोशरिया सतीश तिवारी कविता सिन्हा की उपस्थिति में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का संचालन प्रदीप यादव ने किया और बच्चों के लिए कार्यक्रम को बड़ा मनोरंजक बनाया।वहीं पर जितेंद्र साहू के गणित के प्रश्नों में बच्चे कुछ उलझे नजर आते तो संध्या ठाकुर महिमा तिर्की के प्रश्नों से बच्चों के चेहरे में मुस्कान आ गई। प्रतियोगिता में बच्चों को बड़ा आनंद आया।

प्रतियोगिता तीन स्तर पर आयोजित किया गया। जिसमें बच्चे बड़े आनंद के साथ उत्तर देते थे इस प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त बच्चों को विकासखंड स्त्रोत समन्वयक छन्नू लाल सिन्हा की द्वारा मोमेंट और प्रमाण पत्र वितरण किया गया। प्रथम स्थान पर सेजेस अंग्रेजी माध्यम से पारुल पांडे कक्षा ग्यारहवीं भावेश साहू कक्षा दसवीं द्वितीय हायर सेकंडरी स्कूल सड़क परसुली से विद्यारानी 12वीं हिमांशु 11वीं रहे।फाइनल राउंड बडा ही दिलचस्प रहा जिसमें सेजेस गरियाबंद एकतरफ़ बढ़त बनाए रखा दूसरे स्थान के लिए सड़क परसुली और कन्या शाला गरियाबंद में जबरदस्त प्रतियोगिता हुआ और सड़क परसुली ने बाजी मारी।इस प्रतियोगिता का आयोजन का उद्देश्य बच्चों में गणित विज्ञान की रुचि को आगे बढ़ाना इसमें एक और नियम को जोड़ा गया। अभी वर्तमान में बालको की प्रतिभागिता कम है तो प्रत्येक स्कूल से एक बालक एक बालिका की प्रतिभागिता निश्चित किया गया। इन प्रतियोगिता में सारे प्रतिभागी अपने मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ उपस्थित हुए जिसमें किरण मेम लुकेश्वरी साहू एकांत पटेल किशोर साहू ,ध्रुव मेम शेखर साहू थे।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने सेफसेकंड अकाउंट पेश किया, जो है भुगतान का स्मार्ट और सुरक्षित तरीका

आज डिजिटल भुगतान दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। किराना स्टोर से लेकर शॉपिंग मॉल्स, हज्ज्ञ सब्सक्रिप्शन, ट्रैवल की बुकिंग, यूटिलिटी बिल और ऑनलाईन शॉपिंग आदि सभी का भुगतान क्ष्ठ के माध्यम से किया जा रहा है। इससे जहाँ एक तरफ लोगों की सुविधा बढ़ी है, तो दूसरी तरफ ऑनलाईन धोखाधड़ी का जोखिम भी काफी ज्यादा हो गया है, जिसमें फिशिंग, जाली ऐप, सिम स्वैप और अनधिकृत लेन-देन आदि शामिल हैं। इसलिए ग्राहकों को भुगतान करने के साथ मन की शांति प्रदान करने के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने सेफ सेकंड अकाउंट शुरुआत की है । यह भुगतान करने का ज्यादा स्मार्ट और सुरक्षित तरीका है। यह ग्राहकों को अपनी मुख्य बचत सुरक्षित रखने में समर्थ बनाता है। वो रोजमर्रा के भुगतान के लिए अपने सेकंड अकाउंट के रूप में एयरटेल पेमेंट्स बैंक का खुलकर उपयोग कर सकते हैं।

सेफ सेकंड अकाउंट क्यों जरूरी है? : प्रत्येक डिजिटल लेनदेन के साथ मूल बचत को जोखिम में डालने के बजाय, ग्राहक दैनिक खर्च के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक के सेफ सेकंड अकाउंट का उपयोग कर सकते हैं।

इस तरह, मुख्य बचत खाता धोखाधड़ी से सुरक्षित रहता है। सेफ सेकंड अकाउंट के निम्नलिखित फायदे हैं:

1. एयरटेल थैंक्स ऐप द्वारा तुरंत अकाउंट खुल जाता है। 2. पैसे पर 6.5* प्रतिशत तक का ब्याज मिलता है (नियम व शर्तें लागू) 3. जीरो मिनिमम बैलेंस रखने की सहूलियत मिलती है। 4. PI के साथ सुगम एकीकरण हो जाता है। 5. 15,000 रुपये तक के फायदों के साथ ईकोफ्रेंडली डेबिट कार्ड मिलता है। 6. बिल भुगतान और रिचार्ज विकल्पों का पूरा संग्रह प्राप्त होता है।

OPPO India के पोर्टफोलियो पर ग्रांड फेस्टिव सेल शुरू हुई, 10 भाग्यशाली विजेताओं को मिलेगा 10 लाख रुपये का मेगा पुरस्कार

नई दिल्ली: OPPO India ने त्योहारों की खुशी बढ़ाते हुए अपनी सबसे बड़ी फेस्टिवल सेल, 'पे 0, वरी 0, विन 10 लाख' पेश की है। इस सेल के अंतर्गत ग्राहकों को 19 सितंबर से 31 अक्टूबर के बीच OPPO की सभी डिवाईस पर बेहतरीन ऑफर मिलेंगे, जिनमें नई लॉन्च की गई स्न31 सीरीज़ और Reno14 सीरीज़ भी शामिल हैं। ये ऑफर OPPO ई-स्टोर, फ्लिपकार्ट और अमेज़न पर उपलब्ध होंगे। OPPO फेस्टिव सेल में ग्राहकों को कई एक्सक्लुसिव बेनेफिट्स का लाभ मिलेगा, जिनमें जीरो डाउन पेमेंट, इंटरेस्ट-फ्री ईएमआई, इंस्टैंट कैशबैक, आकर्षक एक्सचेंज स्कीम और 10 लाख या 1 लाख रुपये के कैश पुरस्कार के साथ OPPO की लेटेस्ट डिवाईस जीतने का मौका शामिल है। OPPO India के हेड-पीआर एंड कम्युनिकेशंस, गोल्डी पटनायक ने इन ऑफरों के बारे में बताया कि, ''OPPO में हम इन त्योहारों को अपने ग्राहकों के लिए खास बनाना चाहते हैं। हम पूरी तरह से अपने ग्राहकों पर केंद्रित रहकर काम करते हैं, और यह ग्रांड फेस्टिव बोनांज़ा हमारे ब्रांड में भरोसा करने के लिए उनके प्रति हमारा हार्दिक अभिनंदन है। फेस्टिव शॉपिंग के दौरान ज्यादा लाभ ज्यादा खुशी प्रदान करता है। इसलिए हमने अपने ऑफर आकर्षक डील, डिस्काउंट और रिवार्ड के साथ पेश किए हैं। हमारी डिवाईस अलग-अलग मूल्यवर्गों में बेजोड़ ड्यूरेबिलिटी, आधुनिक एआई कैमरा क्षमताएं और बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करती हैं। इसलिए वो भिन्न-भिन्न श्रेणी के ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं। माई OPPO दीवाली रैफल बेहतरीन रिवार्ड्स के साथ और ज्यादा खुशी देने के लिए डिज़ाईन किया गया है। हमें उम्मीद है कि हमारे ये ऑफर ग्राहकों को त्योहारों का हर क्षण कैप्चर करने, शेयर करने और खुशी से मनाने में समर्थ बनाएंगे।''

न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक श्री चन्द्रहास सोनी आ0 नंद राम सोनी निवासी केसरा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्र सुजल सोनी पिता चन्द्रहास सोनी मृत्यु दिनांक 17.12.2024 को ग्राम केसरा प.ह.न. 39 तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक श्री चन्द्रहास सोनी आ0 नंद राम सोनी निवासी केसरा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 30/09/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 15/09/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी।

जारी दिनांक 15/09/2025
सुनवाई दिनांक 30/09/2025

मुहर

कार्यपालिक दंडाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मिडास हॉस्पिटल, नागपूर के टीम ने एंडोस्कोपी सर्जरी से रेज़र ब्लेड निकालकर मरीज की जान बचाई

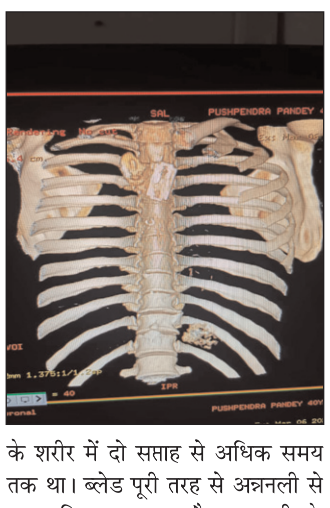

नागपुर। मिडास हॉस्पिटल, नागपूर के सीनियर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ मुकेवार तथा उनकी विशेषज्ञ टीम ने मिलकर एक मरीज जटिल एंडोस्कोपिक सर्जरी सफलतापूर्वक की। इस सर्जरी में मरीज की अन्ननली (इसोफैगस) में फंसा हुआ रेज़र ब्लेड निकाला गया। मरीज ने यह रेज़र ब्लेड इलाज के लिए आने से लगभग दो हफ्ते पहले निगल लिया था।

15 वर्षों से स्किज़ोफ्रेनिया से पीड़ित एक 40 वर्षीय पुरुष मरीज को लगभग एक सप्ताह से भोजन निगलने में कठिनाई की शिकायत के साथ मिडास हॉस्पिटल, नागपूर में भर्ती कराया गया था। एंडोस्कोपी से जाँच के बाद मरीज की अन्ननली में एक पूरी मोटाई का छिद्र (फुल-थिकनेस पर्फोरेशन) पाया गया।

डॉ. मुकेवार और एंडोस्कोपी टीम ने 8 मार्च को एक नाजुक सर्जरी की। इस सर्जरी में एंडोस्कोप को भोजन नली में डालकर रेज़र ब्लेड को सावधानीपूर्वक निकाला गया, जो मरीज के शरीर में दो सप्ताह से अधिक समय तक था। ब्लेड पूरी तरह से अन्ननली से बाहर निकाला गया और अन्ननली के छेद को मेटल स्टेंट से बंद कर दिया गया । मरीज की मानसिक स्थिति को देखते हुए हॉस्पिटलने बहुआयामी उपचार पद्धति अपनाई, जिसमें मनोचिकित्सक (साइकेट्रिस्ट) की सलाह भी ली गई। मानसिक स्वास्थ्य जांच में पता चला कि मरीज को गलत भास, उत्पीड़न संबंधी भ्रांतियां (डिल्यूजन), आवाजें सुनाई देना (ऑडिटरी हैल्युसिनेशन) और सायकोटिक डिप्रेशन की समस्या है। डॉक्टरों के अनुसार मरीज ने रेज़र ब्लेड आत्महत्या के इरादे से नहीं बल्कि सुनाई देने वाले भ्रमों के कारण निगल लिया था। डॉ. सौरभ मुकेवार ने कहा, इस केस में कई जटिल चुनौतियाँ थीं, जिनमें रेज़र ब्लेड से हुई शारीरिक चोट का इलाज करना और मरीज को सही मानसिक स्वास्थ्य उपचार देना शामिल था। हमारी टीम के संयुक्त प्रयासों की वजह से हम रेज़र ब्लेड को सफलतापूर्वक अन्ननली से निकाल सके और मरीज के संपूर्ण स्वास्थ्य की देखभाल भी कर पाए।

मरीज ने उपचार का अच्छा असर दिखाया है और अब वह सामान्य रूप से मुँह से खाना खा सकता है। उसे स्थिर हालत में हॉस्पिटलसे छुट्टी दे दी गई है और आगे भी उसका सही तरीके से इलाज जारी रहेगा।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
1st call

NIT NO:21/PWD/Zone-2/2025 RAIPUR DATED: 19/09/2025

Online bids are invited for the following of works up to Date 11/10/2025 **at** 17:30 hours

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate (Rupees in Lakh)	Earnest Money Deposit	Eligible class of contrac-tor/firm	Time allowed for Completion
1	176139	वीरांगना अवंति बाई वार्ड क. 06 अंतर्गत त्रिमूर्ति नगर माझीपारा में सी.सी. रोड एवं नाली पुलिया निर्माण कार्य।	12.23	13000.00	Class D & above	03 Months
2	176140	हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड क. 35 अंतर्गत मौदहापारा सामुदायिक जिम के पीछे बड़ा आर.सी.सी. नाला मरम्मत कार्य।	12.07	13000.00	Class D & above	03 Months

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 20/09/2025 10.30 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE-2
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

संक्षिप्त-खबर

हायर सेकेंडरी स्कूल ढाकुरदिया खुर्द मे सायकिल वितरण

पिथौरा (समय दर्शन)। हायर सेकेंडरी स्कूल ठाकुर दिया खुर्द में सरस्वती साइकिल वितरण के दौरान सरपंच मनोज सिन्हा ने कहा कि विष्णुदेव साय सरकार का संकल्प है कि, कोई भी विद्यार्थी केवल साधन के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे। नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना से विद्यार्थी आत्मनिर्भर बनेंगे, समय की बचत होगी तथा उनकी उपस्थिति में भी सुधार आएगा। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें परिश्रम और लगन के साथ अध्ययन करने की प्रेरणा दी प्रदेश सरकार द्वारा संचालित नि:शुल्क वितरण योजना न केवल विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करती है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास का मार्ग भी प्रशस्त करती है। छात्राओं ने कहा कि वे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा चलाई जा रही इस लोकहितकारी एवं दूरदर्शी पहल के लिए उनका हृदय से धन्यवाद करते हैं। उक्त अवसर पर को शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्यारेलाल नायक,उपाध्यक्ष श्रीमती निर्मला पटेल, सरपंच मनोज सिन्हा शिक्षाविद सुरेश सिन्हा, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य गोपाल पटेल, दौलत सिन्हा ,प्राचार्यअक्षय कुमार साहू और समस्त शिक्षक शिक्षाएं उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़ा के तहत मुख्य चौक चौराहा में साफ-सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

पाटन (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर पंचायत पाटन द्वारा आत्मानंद चौक में साफसफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने स्वामी आत्मानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की। नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने कहा कि 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा के तहत लगातार विभिन्न कार्यक्रम जारी रहेगा व 20 सितम्बर को सुबह 8 बजे वार्ड क्रमांक 8 में स्थित बुध्दू तालाब में साफसफाई किया जाएगा एवं सभी नगरवासियों से इस कार्य में अपनी सहभागिता देने की अपील की है। इस कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले,उपाध्यक्ष निशा सोनी,भाजपा पाटन मण्डल अध्यक्ष रानी बंछोर,सभापति केवल देवांगन,देवेन्द्र ठाकुर, जितेन्द्र निर्मलकर,पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन,अन्नपूर्णा पटेल,संगीता धुरंधर,हेमन्त वर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी,नीलकंठ देवांगन,केशव बंछोर,योगेश सोनी,मिलन देवांगन,अरुण देवांगन,विजयकांत बंछोर,अतीस सपहा,विकास साहू,हुकुम देवांगन,जलज सावर्णी,योगेश भोई,कलानाथ सहित नगर पंचायत के कर्मचारीगण व स्वच्छता समूह की महिलाएं मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ के पुरखों के स्मृति में पितर नेवता आज

दुर्ग । छत्तीसगढ़ के निर्माण एवं विकास में योगदान देने वाले छत्तीसगढ़ी पुरखों को भूपेश विचार मंच छत्तीसगढ़ ने याद किया है। उनकी स्मृति में पितृ पक्ष में आज 20 सितंबर को सुबह 11 बजे सतनामी आश्रम सिविल लाईन में पितर नेवता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर सुबह 11 बजे छत्तीसगढ़ के महापुरुषों का वंदन-पूजन, दोपहर 12 बजे छत्तीसगढ़ महतारी की वंदन भजन की प्रस्तुति, दोपहर 1 बजे अतिथियों एवं प्रमुख वक्ताओं का उद्बोधन एवं दोपहर 2 बजे पितर भोज का आयोजन किया गया है। पितर नेवता कार्यक्रम की तैयारी में भूपेश विचार मंच के संयोजक मोहन हरमुख, अध्यक्ष संजय देशमुख, महासचिव रायसिंह ढिकोला व अन्य सदस्य जुट रहे है। उन्होने लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

परीक्षण दल को फैक्ट्री में प्रवेश से रोका, प्रबंधन पर शासकीय कार्य में बाधा का मामला दर्ज कर नोटिस जारी

महासमुन्द (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर गठित संयुक्त टीम द्वारा बिरकोनी क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रातुसरिया उद्योग प्रा.लि. बिरकोनी पहुँची, तो फैक्ट्री बंद पाई गई। इस दौरान गेट पर मौजूद गार्ड द्वारा निरीक्षण दल को अंदर प्रवेश नहीं दिए जाने पर प्रबंधन के विरुद्ध शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

निरीक्षण टीम में सहायक संचालक दिशा शुक्ला, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा बलौदाबाजार, प्रबंधक शशिकांत सिंह जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र महासमुंद , श्रम पदाधिकारी डी.एन. पात्र, जिला परिवहन अधिकारी राम कुमार ध्रुव , निरीक्षक विधिक माप विज्ञान विभाग सिद्धार्थ दुबे, एवं एच.के. चौधरी पर्यावरण विभाग उपस्थित रहे।

इसके पश्चात टीम ने पॉली कर्व कंटेनर बिरकोनी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान विभागों द्वारा औद्योगिक संस्थान में अनियमितता पाई गई। जिसमें विधिक माप विज्ञान विभाग द्वारा तौल उपकरणों के सत्यापन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर जिस पर नोटिस जारी किया गया। पर्यावरण विभाग ने आवश्यक लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किए जाने पर, प्रबंधन को शीघ्र लाइसेंस प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। श्रम विभाग द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976, वेतन भुगतान अधिनियम 1936 एवं संविदा श्रमिक अधिनियम 1970 के तहत जांच में गंभीर उल्लंघन पाए गए। संस्था द्वारा ठेकेदार का लाइसेंस एवं ओवरटाइम संबंधी रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया।

औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा निरीक्षण में कारखाना प्रबंधन द्वारा फैक्ट्री लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया गया तथा श्रमिकों को बिना सुरक्षा उपकरण के कार्य में लगाया जाना पाया गया। इन सभी उल्लंघनों पर संबंधित विभागों द्वारा फैक्ट्री प्रबंधन को नोटिस जारी किया जा रहा है।

आगामी शिक्षा सत्र से पाटन के ग्राम तर्रा के गुरुकुल में होगी बच्चों की पढ़ाई

शिक्षा के साथ संस्कार और गुरु परम्परा की फिर होगी शुरुआत

पाटन (समय दर्शन)। गुरु परम्परा एक फिर से जीवंत होने वाली है। शिक्षा के साथ संस्कार, पढ़ाई, खेल के अलावा बच्चों की बौद्धिक , मानसिक, शारीरिक दक्षता बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए ग्राम तर्रा में आमापेडरी मार्ग पर भव्य और आकर्षक गुरुकुल का निर्माण कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि गुरुकुल का निर्माण कार्य दिवाली तक पूर्ण भी हो जाएगा। नर्सरी क्लास से आठवीं तक की कक्षाएं एक साथ लगेगी। पहली बार पाटन ब्लॉक में गुरुकुल संचालित होगी यहां पर बच्चों के पालक चाहे तो बच्चों को गुरुकुल में ही रहकर पढ़ाई कराई जा सकती है। इसके अलावा बच्चों को गुरुकुल तक लाने ले जाने के लिए बस सुविधा भी मुहैय्या कराया जाएगा। श्री सहजानंद इंटर नेशनल गुरुकुल में बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ साथ अध्यात्म का भी पाठ पढ़ाया जाएगा। गुरुकुल में 40 कमरा का निर्माण कराया जा रहा है। सभी कमरा में शिक्षा व्यवस्था के अनुकूल सुविधाएं भी जुटाई जाएगी। बच्चों के क्लास को विशेष तौर पर आकर्षक और विज्ञान को देखते हुए वास्तु के अनुसार डिजाइन किया गया है। एक एक क्लास की अलग अलग खासियत रहेगी। जिसमें बच्चों को शिक्षा का माहौल मिल सके इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। गुरुकुल परिसर में ही सर्व सुविधायुक्त आडिटोरियम, किड्स , प्ले ग्राउंड, बॉक्स क्रिकेट, गार्डन, बैटमिंटन कोर्ट, वनस्पति गार्डन सहित अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी।

बच्चे के जन्म दिन पर पालक करा सकेंगे निशुल्क यज्ञ पूजन- गुरुकुल के प्रमुख स्वामी कृष्ण बल्लभ दास जी ने बताया कि पहली बार तरह सर्व सुविधायुक्त गुरुकुल का निर्माण कराया जा रहा है। बच्चे के जन्म दिन पर बच्चों के पालक अपने परिवार के साथ गुरुकुल परिसर में ही हवन पूजन यज्ञ करा सकते है। यह पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा । इसके लिए गुरुकुल में ही यज्ञ मंडप का भी निर्माण कराया जा रहा है।

शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में नेवता भोज का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में प्रधान पाठक गफ्फार खान की कुशल रणनीति से प्रत्येक माह में कम से कम एक बार जनसहयोग से नेवता भोज का आयोजन हो रहा है । इस बार जन प्रतिनिधि पंच महोदया मीना बाई प्रेमलाल चौहान द्वारा स्वेच्छा से नेवता भोज का आयोजन किया गया। नेवता भोज में चाकलेट ,अमरूद, बिस्किट , जलेबी के साथ दाल चावल सब्जी वितरित किया गया । सभी ने खुशी के साथ नेवता भोज का आनंद लिया। नेवता भोजन पाकर बच्चे प्रसन्न नजर आए। इस नेवता भोज कार्यक्रम में ह्यद्रुष अध्यक्ष नेहरूलाल साहू, सरपंच महोदया नोनी बाई, कायतराम, मोहरसाय, गणेशराम, शिवकुमार, भीष्मदेव, फूलबाई रामेश्वरी भगवती, रसोइया बुधियारीन ,आंगनबाड़ी सहायिका गायत्री, मेहतरीनआदि उपस्थित थे।

नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला, विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे,लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, स्नस्न्ह नोडल शिक्षक शरण दास, संकुल समन्वयक डीजेंद्र कुर्रे ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उक्त जानकारी प्रधान पाठक गफ्फार खान ने दी है।

महासमुन्द की लाडली दिव्या के उम्दा प्रदर्शन से भारतीय बास्केटबॉल टीम एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंची

महासमुन्द (समय दर्शन)। FIBA अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 का आयोजन मलेशिया में दिनांक 13 से 19 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया गया है, जिसमें भारतीय अंडर 16 महिला बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी ने एक बार फिर उम्दा प्रदर्शन किया है ।

भारतीय टीम में तमिलनाडु, कर्नाटका, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना के खिलाड़ी शामिल हैं। एशिया कप में इंडिया टीम ने शानदार खेल खेलते हुए पहले मैच में ईरान को हराया, दूसरे मैच में इंडिया ने उज़्बेकिस्तान को हराया, तीसरे मैच में इंडिया ने समोआ को हराकर सेमीफइनल में प्रवेश किया। पहला सेमीफइनल मैच इंडिया विरुद्ध इंडोनेशिया के मध्य खेला गया जिसमें पहले क्वार्टर में दोनों टीम का स्कोर 11-11 से बराबर रहा, दूसरे क्वार्टर में दोनों टीम का स्कोर 24-24 रहा, तीसरे क्वार्टर में इंडिया ने 44- 40 अंकों से बढ़त बनाया, अंतिम क्वार्टर में टीम इंडिया ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ बढ़त बनाए रखा, अंतिम समय तक इंडिया ने 65 - 53 के स्कोर से मैच जीता एवं फ़ाइनल में प्रवेश किया। एशिया कप में लगातार 4 मैच जीतकर भारतीय टीम फइनल में पहुंची। मैच में विहा रेड्डी, नेथरा, रेवा अमित कुलकर्णी, वैष्णवी प्रशांत परदेशी, महक शर्मा ने शानदार खेल जारी रखा, इंडिया टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया और टीम को लगातार 4 मैच जीतकर फइनल तक पहुंचाया। प्रदेश व जिले में खुशी की लहर देखी जा रही है।

भारतीय टीम में छत्तीसगढ़ से दिव्या रंगारी, कर्नाटका से श्रवानी शिवन्ना, महक शर्मा एवं अदिति, तेलंगाना से विहा रेड्डी एवं नेथरा, केरला से एदिना मरियम जॉनसन, तमिलनाडु से एंजलीना अरुण जॉर्ज एवं सुमिथरा देवी कालीमुथु, महाराष्ट्र से रेवा कुलकर्णी एवं वैष्णवी प्रशांत परदेशी, गुजरात से दिनल वित्थानी शामिल है।

भारतीय टीम के सेमीफइनल मैच जीतने एवं फइनल में प्रवेश करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष राजीव जैन, चेयरमैन विजय अग्रवाल, नरेश डाकलिया, राजीव चौबे, राजेश गौर, भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक अनिथा पॉलदुरई, सहायक प्रशिक्षक रोहित एवं उमा कांत, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद निखिल कांत साहू, जिलाध्यक्ष येतराम साहू, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर रवि साहू, सचिन भूतड़ा, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे, जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद अध्यक्ष नुरेन चंद्राकर, गौरव चंद्राकर, सचिव शुभम तिवारी, मनीष श्रीवास्तव, बादल मक्कड़, पंकज चंद्राकर, संतोष सोनी, किरण महाडीक, अभिषेक अंबिलकर, राहुल रंजन, कुलेश्वर चंद्राकर, पिता विनोद रंगारी, माता सपना रंगारी, योजना रंगारी, सुभाष मंडल खेल संघों एवं सभी खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

तीन आरोपियों ने युवक से की मारपीट, जान से मारने की दी धमकी

बसना (समय दर्शन)। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम बड़े साजापाली में बुधवार रात मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर तीन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बड़े साजापाली निवासी बंशीलाल भारद्वाज (29 वर्ष) 17 सितंबर की रात करीब 8:30 बजे किरन पब्लिक स्कूल के पास मौजूद था। इसी दौरान गांव के सुमंत वारे, गोरे वारे और राजेश कोसरिया पिता रामकुमार कोसरिया ने शराब व भोजन के नाम पर विवाद करते हुए बंशीलाल से गाली-गलौज की है। आरोप है कि तीनों ने मिलकर उसकी पिटाई की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के समय मौके पर मौजूद लोगो ने देखा और बीच-बचाव किया। इसके बाद पीड़ित ने देर रात चौकी भंवरपुर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में धारा 296, 115(2), 351(2), 3(5) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया है।

बसना के किसान खाद,बिजली, पानी की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बसना (समय दर्शन)। किसान आज प्रदेश में खाद, बिजली, पानी की समस्या को लेकर बहुत व्यथित है। प्रदेश में ये तीनों समस्याएं विकराल रुप धारण करते जा रही हैं। खाद के लिए प्रदेश में मारामारी हो रही है। किसान खाद महंगे दामों में लेने हेतु विवश हो गया है। बिजली कटौती से किसान त्रस्त है। नहरों का पानी अंतिम गांवों तक पहुंच नहीं पाया है, ऐसे में छत्तीसगढ़ का किसान खेती कैसे कर पायेगा चिंता में हैं ?

ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रशासन की व्यवस्था ध्वस्त हो गई है, अधिकारी मनमाने ढंग से कार्य कर रहे हैं, भ्रष्टाचार चरम पर है! और इसे रोक पाना असंभव दिखाई देता है। बसना सोसायटी मे खाद उतरने के कई दिनों बाद भी वितरण नहीं किया जा रहा है। किसान रोज सोसायटी के चक्कर लगा रहे हैं । किसानों को घुमाया जा रहा है।

अत: माननीय मुख्यमंत्री जी से प्रदेश के शोषित, पीड़ित किसानों की मांग है कि किसानों के प्रदेश में किसानों का शोषण बंद होना चाहिए एवं उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण हो। यदि किसानों को तत्काल राहत नहीं मिली तो भारतीय किसान संघ बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

किसानों की प्रमुख समस्याएं व मांगें-

1. खाद की कालाबाजारी बंद हो,निगरानी के साथ सहकारी समितियों में भंडारण सुनिश्चित हो।

2. बिजली कटौती पूर्णत: बंद हो, तथा घरेलू बिजली पर पुन: हाफ बिजली बिल योजना लागू की जाए।

3. प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाया जाए तथा नहरों का पानी अंतिम गांव तक पहुंचे, ऐसी व्यवस्था हो।

4. पिछले सरकार की न्याय योजना की बकाया चौथी किश्त की राशि दीपावली से पूर्व भुगतान की जाए।

5. धान की राशि प्रति क्विन्टल ?3100 में केन्द्र सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में की गयी. ?186 की बढोत्तरी को जोड़कर ?3286 का भुगतान किया जाए व धान खरीदी 1 नवंबर से प्रारंभ की जाए।

6. दलहन, तिलहन की खेती पर प्रति एकड़ ?20 हजार अनुदान दिया जाए तथा रबी में दलहन, तिलहन, मक्का एवं सूरजमुखी की खरीदी की जाए।

7. कृषक उन्नति योजना में गन्ना फसल को जोड़ा जाए।

8. जैविक खेती में जो अनुदान भारत सरकार देती है उसे छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को दिया जाए।

9. धान खरीदी में किसानों से प्रति बोरी 40.700 किलोग्राम धान से अधिक नहीं लिया जाए एवं सरकारी विज्ञापनों में तथा सभी समितियों में यह बैनर द्वारा अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27